पौष शुक्ल पक्ष - 12, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 178 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
31 दिसंबर 2025 बुधवार

आज का मौसम
27.0 अधिकतम
9.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

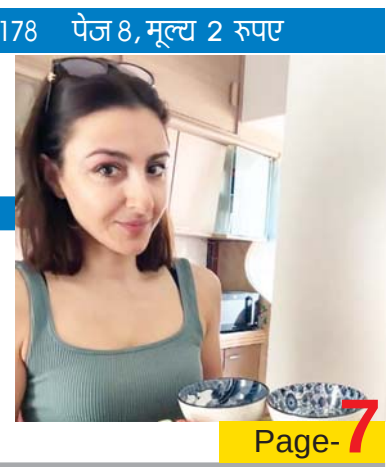

Page-7

गलतियां तो सबसे होती हैं... जो स्वीकार कर उन्हें सुधार ले वही महान

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

ब्रेन मैपिंग ऑफ दिग्विजय सिंह - पार्ट 2

अपनी सांकेतिक पोस्ट के जरिए कांग्रेस को आईना दिखाने वाले दिग्विजय सिंह को मैं जितना जानता और पहचानता हूं उसके आधार पर कह सकता हूं कि उनसे भी राजनीतिक जीवन में गलतियां हुई हैं। और वे अकेले ही क्यों, उनकी ही पार्टी के अन्य नेता हों या फिर भाजपा के शीर्ष नेता नरेंद्र मोदी ,शिवराज सिंह चौहान और कैलाश विजयवर्गीय से लेकर मोहन यादव तक भी इससे अछूते नहीं । लेकिन व्यक्ति जल्द से जल्द अपनी गलती मान ले और उसमें सुधार कर ले तो जनता उसे न सिर्फ माफ कर देती है, हाथों हाथ लेकर फिर से सिर पर भी बिठा लेती है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की खूबसूरती इसी भाव में निहित है। लेकिन जो अपनी गलती न माने और उसका ठीकरा दूसरों के सिर फोड़कर अपनी खामियों पर पर्दा ,उसे जनता कभी माफ नहीं करती। जनता अपने जनादेश से यह तय करती है कि कौन उसके और देश के हित में बेहतर काम कौन कर सकता है। दिग्विजय सिंह ने भी अपनी लंबी राजनीतिक पारी के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी निधि ने उनकी पोस्ट को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। यदि उसकी विवेचना की जाए तो वह सही भी लगती है और कई अर्थों में उसे अतिरेक भरी भी कहा जा सकता है। दिग्विजय सिंह की पारिवारिक पृष्ठभूमि हिंदू महासभा वाली रही है। उनके पिता निर्दलीय विधायक बने लेकिन हिन्दू महासभा और जनसंघ ने उनको बिना शर्त समर्थन देकर जिताया। दिग्विजय सिंह की सियासी पारी भी 1969 में निर्दलीय प्रत्याशी के बतौर नगरपालिका अध्यक्ष बनने से शुरू हुई तो उन्हें भी जनसंघ का समर्थन हासिल था। उस वक्त सूबे के मुख्यमंत्री रहे पंडित श्यामाचरण शुक्ल ही उनको कांग्रेस में लेकर आए। इसका दावा पंडित शुक्ल ने कई दफे किया भी था । 1977 में वे अपने पिता की सीट राघोगढ़ से चुनाव जीते। 1980 में कांग्रेस की राज्य में सत्ता में वापसी के साथ जब वे सिंचाई राज्यमंत्री बने तब मैं पत्रकार नहीं बना था, कॉलेज पहुंच चुका था। न जाने क्यों, मुझे तभी लगा था कि आने वाले वक्त में वे प्रदेश के मुख्यमंत्री जरूर बनेंगे। वे 1993 में लंबी जद्दोजहद के बाद कमलनाथ के सहयोग से बने भी। मुख्यमंत्री के बतौर वे प्रदेश में पहले ऐसे नेता बने जो लगातार दस साल तक राज करते रहे। उनका पहला कार्यकाल तो अपने से वरिष्ठ कई नेताओं को साधने में बीता। खासतौर से कमलनाथ जैसे कारोबारी नेता ने उनके कार्यकाल के दौरान राज्य का भरपूर दोहन किया। उर्जा, खनिज और परिवहन जैसे कमाऊ विभाग कमलनाथ ने अपने करीबियों को दिलाए, जिससे प्रदेश में बिजली संकट गहराया । अपने दूसरे कार्यकाल में दिग्विजय सिंह ने सूबे को अपने तरीके से चलाने की कोशिश की। उन्होंने कई बड़े नेताओं को दरकिनार कर दिया। इनमें विट्ठल भाई पटेल से लेकर सत्यव्रत चतुर्वेदी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, सुरेश पचौरी और मुकेश नायक जैसे नेता भी शामिल थे। माधवराव सिंधिया को उन्होंने कभी प्रदेश में जड़ें नहीं जमाने दीं । आज कांग्रेस में जिस भटकाव की तरफ उन्होंने इशारा किया है, उसके शिकार वह खुद भी हुए थे। 'चुनाव विकास से नहीं मैनेजमेंट से जीते जाते हैं। जब लालू यादव सड़क बिजली के बगैर चुनाव जीत सकते हैं तो मैं क्यों नहीं।' ऐसे कई जुमले उन्होंने सार्वजनिक तौर पर इस्तेमाल किये । जिस वामपंथी विचारधारा की राह से कांग्रेस को वापस मूल विचारधारा पर लौटने की सांकेतिक नसीहत उन्होंने दी है, उस राह पर वे भी लंबे समय तक चले। उसी सोच और विचारधारा के मकडज़ाल में फंसकर वह अपने और कांग्रेस के मूल पिंड से हट गए। व्यक्तिगत तौर पर वे पहले भी अच्छे इंसान थे और आज भी हैं। मैने उनको प्रदेश हित में कई सुझाव देने की कोशिश की। मसलन, वह विकास की राह पर चलें। लालू यादव इसलिए सफल हुए क्योंकि वह पिछड़ा वर्ग से आते हैं। मायावती इसलिए कामयाब हुईं कि क्योंकि वह खुद भी दलित हैं। इसलिए सोशल इंजीनियरिंग के साथ बिजली, सडक़ पानी, स्वास्थ्य पर जोर दें। लेकिन आज राहुल गांधी को जिस तरह की मंडली ने घेर रखा है, उससे दिग्विजय सिंह भी घिरे रहे। इसका खामियाजा न सिर्फ उन्हें खुद बल्कि कांग्रेस को भी भुगतना पड़ा। अब तो हालात और विकट हैं। हालांकि, दिग्विजय सिंह ने बीते कई सालों में अपनी गलतियों का न सिर्फ अहसास किया है बल्कि कांग्रेस आलाकमान को भी भूल सुधार की सलाह दी है। अगर कांग्रेस इससे भी नहीं संभली तो उसका हश्र तय है और साथ ही यह भी तय है कि दिग्विजय सिंह की राज्यसभा में अगले साल अप्रेल में वापसी भी मुमकिन नहीं होगी। लेकिन बड़े बुजुर्गों के अनुभवों से सीख लेते हुए कांग्रेस अपनी मूल विचारधारा पर लौटे तो यह देश के सशक्त लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत हो सकता है।

(जारी)

शोषण के खिलाफ : 12 घंटे काम के बावजूद न पर्याप्त पैसा और न ही सुरक्षा

जोमैटो, स्वीगी, ब्लिंकिट, जेप्टो के डिलीवरी पार्टनर हड़ताल पर

न्यू ईयर पार्टी में आज नहीं मिलेगा ऑनलाइन फूड

नई दिल्ली/मुंबई /भोपाल. एजेंसी

नए साल की चमक-धमक और पार्टियों के बीच अगर आज आप ऑनलाइन फूड या ग्रॉसरी मंगवाने का प्लान कर रहे हैं तो ऐसा नहीं हो पाएगा। जोमैटो, स्वीगी, ब्लिंकिट, जेप्टो , फ्लिपकार्ट, बिग बास्केट और अमेजॉन जैसे प्रमुख ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स से जुड़े गिग वर्कर्स ने आज देशव्यापी हड़ताल पर चले गए हैं। इससे पहले क्रिसमस के मौके पर भी सांकेतिक हड़ताल हो चकी है और अब यह दिन चुना गया है जब लाखों लोग देर रात तक ऑनलाइन फ़ूड आर्डर करते हैं। यह हड़ताल न्यू ईयर ईव के जश्न में खलल डाल सकती है, ग्रॉसरी और अन्य सामन की मांग भी आम दिनों से कहीं ज्यादा होती है।

ऐप आधारित प्लेटफॉर्म के लिए काम करने वाले डिलीवरी पार्टनर्स उचित वेतन, सामाजिक सुरक्षा, बेहतर काम के घंटे और 10-20 मिनट डिलीवरी मॉडल हटाने की मांग कर रहे हैं। यूनियन ने श्रम मंत्री से त्रिपक्षीय वार्ता की मांग की है और शोषण जारी रहने पर आर्थिक खतरे की चेतावनी दी है। हड़ताल का आयोजन इंडियन फेडरेशन ऑफ़ एप बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिनके

साथ कई राज्यों के यूनियन भी जुड़े हैं। ये देशभर में मेट्रो शहरों और अन्य शहरों के प्रमुख बाजारों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। डिलीवरी पार्टनर जिन्हें, गिग वर्कर भी कहा जाता है, बेहतर वेतन और सुरक्षा की मांग की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि उचित वेतन, और सामाजिक सुरक्षा उनकी बुनियादी लोकतांत्रिक मांगें हैं। इससे पहले 25 दिसंबर की फ्लैश हड़ताल के बाद सुलह का रास्ता निकालने के लिए कोई बातचीत नहीं हुई। जल्दबाजी की डिलीवरी को लेकर बड़ा विरोध है। वर्कर्स का कहना है कि 10-20 मिनट की डिलीवरी खतरनाक दबाव डालती है, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ती हैं और मानसिक तनाव बढ़ता है। देरी का जिम्मा हमेशा डिलीवरी एजेंट पर ही आता है। इसीलिए इस मॉडल पर रोक की मांग की गई है। कई यूनियनों ने प्लेटफॉर्म कंपनियों पर मनमाने ढंग से आईडी ब्लॉक करने और एल्गोरिथम आधारित दंड देने का आरोप लगाया है। वर्कर्स के अनुसार प्रति किलोमीटर और प्रति ऑर्डर भुगतान कम कर दिया गया है। अधिक समय तक ड्यूटी पर आधारित मुआवजा भी घटाया गया है, जबकि ईंधन और खर्चे बढ़े हैं। इंसेंटिव पाने के नियम लगातार बदले जा रहे हैं, जिससे रोज की कमाई गिर रही है और 10 घंटे से ज़्यादा काम करना पड़ रहा है।

केंद्र सरकार करे हस्तक्षेप

देश की पहली महिला नेतृत्व वाली राष्ट्रीय गिग वर्कर्स यूनियन और गिग एंड प्लेटफॉर्म सर्विसेज वर्कर्स यूनियन ने श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर डिलीवरी पार्टनर्स को श्रम अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा और जीवन सुरक्षा उपायों से बाहर रखे जाने के मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। यूनियन केंद्र सरकार से आग्रह कर रही है कि यह मुद्दा औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत त्रिपक्षीय वार्ता के माध्यम से हल किया जाए। यदि गिग वर्कर्स का शोषण जारी रहा तो भारत की आर्थिक वृद्धि पर भी खतरा हो सकता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ हुए शामिल

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दो साल विशेष पूजा के लिए भक्तों की भीड़

अयोध्या, एजेंसी

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर रामलला का विशेष अभिषेक पूजन किया गया। प्रातः काल से ही मंदिर परिसर वेद मंत्रों की गूंज और शंखनाद से आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। यज्ञशाला में वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में विविध कर्मकांड संपन्न हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन करने के बाद राम मंदिर पहुंचे।जहां उन्होंने दर्शन-पूजन किया। यज्ञशाला में चल रहे अनुष्ठान में शामिल हुए, जहां उन्होंने अन्नपूर्णा मंदिर पर ध्वजारोहण किया। प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। देश-विदेश से आए भक्त लंबी कतारों में लगकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर रहे हैं। देश-विदेश से आए भक्त लंबी कतारों में लगकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर रहे हैं। जय श्रीराम के उद्घोष से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा है। दूसरी वर्षगांठ पर यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण 500 वर्षों के लंबे संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि ऐसे मौके को पूरे हर्षोल्लास और उत्सव के साथ मनाया जाना चाहिए। इससे पहले राजनाथ और योगी ने हनुमानगढ़ी में मंदिर की एक परिक्रमा की। राजनाथ ने महंत प्रेम दास के पैर छुए और पास में रखे आसान पर बैठे। इस दौरान योगी भी उनके पास ही नजर आए। इसके बाद रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री का राम मंदिर परिसर के अंगद टीला जाने का कार्यक्रम है।

न्यूज विंडो

छत्तीसगढ़ में 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा कदम उठाते हुए पूर्व एक्साइज कमिश्नर निरंजन दास, 30 अन्य एक्साइज अधिकारियों और तीन प्रमुख डिस्टिलरीज की 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियां जब्त कर लीं। यह कार्रवाई पूर्व कांग्रेस सरकार के समय हुए 2,800 करोड़ रुपए के कथित घोटाले की जांच का हिस्सा है।

बारामुला में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, कारतूस बरामद

बारामुला, एजेंसी। सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के बारामुला के जंगल में आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश किया। सुरक्षाबलों ने यहां से आईईडी व कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ, सेना की 2 राष्ट्रीय राइफल्स, कुंजर और पट्टन की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने खरपोरा गांव के पास घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया था। यहां एके-47 के 53 कारतूस, गोला-बारूद सहित अन्य विस्फोटक सामग्री मिली।

झारखंड में उम्रकैद की सजा काट रहे तीन कैदी फरार

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा (जेपी कारा) से तीन उम्रकैद के सजायाफ्ता कैदियों के फरार होने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस घटना ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली और प्रदेश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फरार तीनों कैदी धनबाद जिले के निवासी बताए जा रहे हैं।

इमरान खान से मिलने पहुंची बहनें देर रात गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में सियासी बवाल बढ़ता जा रहा है। इमरान खान से मुलाकात के लिए अडियाला जेल के बाहर धरना दे रही बहनों के खिलाफ आधी रात के बाद एक्शन हुआ है। इमरान की बहन अलीमा खान को गिरफ्तार किया गया है। इतना ही नहीं दिसंबर की इस ठिठुरने वाली ठंड में इमरान के समर्थकों पर पानी की बौछार भी की गई है। दरअसल, इमरान खान के समर्थकों को जेल के बाहर भी नहीं पहुंचने दिया जा रहा है। कोर्ट ने इमरान से करीबियों को मिलने का आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश पर ही इमरान की बहनें उनसे मिलने पहुंची थी। मुलाकात से इनकार करने पर खान की बहनों ने धरना दे दिया जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। गिरफ्तारी की तस्वीरें केवल अलीमा खान की आई हैं।

एमपी में 1.7° पर आया पारा

शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा, भोपाल में 9°

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल सहित पूरे मध्य प्रदेश में इस समय कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन प्रभावित हुआ है। पहाड़ी राज्यों से आए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से ठंड और ज्यादा बढ़ गई है। हालात ऐसे हैं कि प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। सबसे ठंडा इलाका शहडोल का कल्याणपुर रहा, जहां न्यूनतम तापमान सिर्फ 1.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान माना जा रहा है। हालांकि भोपाल में बादल नहीं छटने के कारण न्यूनतम तापमान 9 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं प्रदेश में ठंड के साथ कोहरा भी परेशानी का सबब बना हुआ है। आज सुबह दिल्ली से आने वाली कई ट्रेनें लेट हैं। भोपाल में सुबह 7.25 बजे आने वाली मालवा एक्सप्रेस करीब साढ़े 4 घंटे देरी से पहुंची। शताब्दी,

सचखंड समेत अन्य ट्रेनों पर भी असर पड़ रहा है। रीवा, दतिया और ग्वालियर में आज सुबह घना कोहरा रहा। दतिया और ग्वालियर में विजिबिलिटी 50 मीटर, तो वहीं रीवा के एमपी-यूपी बॉर्डर पर मौजूद सोहागी घाटी में सुबह 9 बजे विजिबिलिटी 20 मीटर रही। नौगांव, सतना, सीधी, भोपाल, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, खजुराहो, मंडला, गुना, खरगोन, राजगढ़ और दमोह में भी कोहरा रहा।

लिफ्ट देकर चलती कार में युवती से गैंगरेप

फरीदाबाद, एजेंसी

फरीदाबाद कोतवाली थाना इलाके में 28 वर्षीय युवती को कार में लिफ्ट देकर सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मां से नाराज होकर घर से निकली महिला को कार सवार दो युवकों ने गंतव्य तक छोड़ने के बहाने कार में बैठाया। आरोप है कि दो घंटे से अधिक समय तक आरोपियों ने युवती को कार में फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड पर घुमाया और गैंगरेप किया। देर रात लगभग 3 बजे महिला को एसजीएम नगर स्थित मुल्ला होटल के पास चलती कार से फेंककर आरोपी भाग गए। साइबर सेल की मदद से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मेट्रो एंकर

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- माता-पिता दोनों की जिम्मेदारी है बच्चों का पालन-पोषण

मां की आय ज्यादा तो पिता बच्चों के भरण-पोषण से मुक्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केवल इस आधार पर मां की आय ज्यादा है, पिता अपने नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अदालत ने कहा कि बच्चों का पालन-पोषण दोनों माता-पिता की कानूनी, नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है और किसी एक की अधिक आय दूसरे की जिम्मेदारी खत्म नहीं करती। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि मां की आय अधिक है और उसकी कस्टडी में बच्चे हैं, वे पहले से ही कमाने के साथ-साथ प्राथमिक देखभालकर्ता की दोहरी जिम्मेदारी निभा

रही है। ऐसे में पिता अपनी आय छुपाकर या तकनीकी दलीलों के सहारे जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। अदालत ने कहा कि कानून किसी भी कार्यशील मां को शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से थका देने की इजाजत नहीं देता, जबकि पिता अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट जाए। यह फैसला उस मामले में आया, जिसमें एक व्यक्ति ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने दिसंबर 2023 में पति को तीनों बच्चों के लिए 30 हजार रुपये मासिक अंतरिम भरण-पोषण देने का आदेश दिया था, जिसे सत्र अदालत ने भी बरकरार रखा। पति ने हाई कोर्ट में दावा किया कि उसकी आय केवल नौ हजार रुपये है, जबकि पत्नी की 34,500 रुपये, इसलिए उस पर पूरा भार डालना कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है। उसने पत्नी पर कानून के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया।

जिम्मेदारी का कराया एहसास

पत्नी ने तर्क दिया कि बच्चों की पढ़ाई, देखभाल, इलाज और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी तरह उसी पर हैं और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पिता से खत्म नहीं हो सकती। अदालत ने टिप्पणी की कि पत्नी का आचरण निर्भरता नहीं बल्कि जिम्मेदारी का भाव दर्शाता है और पिता को अपने बच्चों के प्रति कर्तव्य का एहसास कराना उसका अधिकार है।

पुलिस की अपील : शराब पीकर वाहन न चलाएं, होगा एक्शन

पुलिस ने तैयार किया 'प्लान-31', फार्म हाउस की पार्टियों पर ड्रोन से रखेंगे नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नए साल के स्वागत के लिए अगर आप किसी गोपनीय फार्म हाउस पार्टी या बिना अनुमति वाले जश्न की योजना बना रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। भोपाल पुलिस ने 'न्यू ईयर ईव' के लिए एक ऐसा चक्रव्यूह तैयार किया है, जिसे तोड़ना हुड़दंगियों और नियम तोड़ने वालों के लिए मुमकिन नहीं होगा।

इसे 'प्लान 31' नाम दिया गया है। इसके तहत यहां होने वाली पार्टियों पर ड्रोन से नजर रखने की तैयारी की गई है। जानकारी के मुताबिक न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान ड्रग्स, अवैध शराब और तेज आवाज में डीजे साउंड चलाकर पार्टियां करने का चलन बढ़ा है। लिहाजा, इस बार इसकी सख्त निगरानी की जाएगी। कोलार रोड, रातीबड़, मिसरोद, एयरपोर्ट रोड, नर्मदापुरम रोड सहित शहर के बाहरी इलाकों में चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। इस तरह करीब 22 प्वाइंट लगाए जाएंगे, जिन पर थाना क्षेत्र के चुनिंदा पुलिस कर्मी निगरानी करेंगे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि न्यू ईयर की रात शहर में अतिरिक्त बल तैनात रहेगा, पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। उद्देश्य साफ है। नया साल सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जाए। क्राइम ब्रांच की टीमें इस दौरान ड्रग्स पेडलरों पर नजर रखेगी, जो किसी भी तरह से इन पार्टियों में मादक पदार्थ पहुंचाने की कोशिश करेंगे। इसके लिए क्राइम ब्रांच ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में अपने मुखबिरों को अलर्ट कर दिया गया है। नए साल को लेकर पुलिस की तैयारियां है, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई होगी। पार्टियों पर अलग-अलग तरह से निगरानी रखी जा रही है।

150 लोगों ने लिए शराब के अस्थाई लाइसेंस

नए साल के स्वागत को लेकर प्रदेश में जश्न की तैयारियां जोरों पर हैं। घरों से लेकर होटल, रेस्त्रां, मैरिज गार्डन और क्लब तक न्यू ईयर सेलिब्रेशन की प्लानिंग लगभग पूरी हो चुकी है। इसी उत्साह के बीच कानून-व्यवस्था और आबकारी नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए आबकारी विभाग ने व्यापक इंतजाम किए हैं। राज्यभर में एक दिन के लिए 600 से अधिक अस्थायी पार्टी लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं, जबकि भोपाल में ही यह संख्या करीब 150 हो गई है। आबकारी विभाग ने 31 दिसंबर और 1 जनवरी को विशेष तिथि घोषित करते हुए विदेशी शराब के आकस्मिक लाइसेंस (एफएल-5) जारी किए हैं। खास बात यह है कि अब लोग 500 रुपए शुल्क देकर घर में भी शराब पार्टी के लिए वैध लाइसेंस ले सकते हैं।

100 ने घरेलू पार्टी के लिए लाइसेंस लिया

भोपाल में पिछले साल नए साल पर 100 से ज्यादा लोगों ने घरेलू पार्टी के लिए लाइसेंस लिया था, जबकि इस बार इसमें करीब 50 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, पूरे प्रदेश में यह आंकड़ा 600 के पार बताया जा रहा है। आबकारी विभाग का मानना है कि ऑनलाइन प्रक्रिया आसान होने से लोग अब नियमों के तहत लाइसेंस लेना ज्यादा बेहतर समझ रहे हैं।

आबकारी की 50 से अधिक टीमें सक्रिय

नए साल की रात किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर लगाम लगाने के लिए भोपाल सहित प्रदेशभर में आबकारी की 50 से अधिक टीमें तैनात की जाएंगी। ये अवैध शराब की बिक्री, बिना लाइसेंस शराब परोसने और तय मानकों के उल्लंघन पर नजर रखेंगी। सभी होटल, रेस्त्रां और पार्टी स्थल संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय, क्षमता और लाइसेंस शर्तों के अनुसार ही न्यू ईयर पार्टी में शराब परोसें।

एक-दो दिन के जश्न के लिए लाइसेंस लेने का चलन बढ़ा

आंकड़ों पर नजर डालें तो मध्यप्रदेश में एफएल-5 श्रेणी के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2883 लाइसेंस जारी किए गए थे, जो 2024-25 में बढ़कर 3114 हो गए। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 1886 लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। भोपाल, इंदौर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में लाइसेंस की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो जश्न के बढ़ते चलन को दर्शाती है। मार्च तक यह संख्या 3000 से अधिक होगी।

संख्या के हिसाब से लाइसेंस फीस

घर में पार्टी के लिए प्रति लाइसेंस 500 रुपए शुल्क तय है। वहीं, होटल, रेस्त्रां या गार्डन में आयोजन के लिए भीड़ के हिसाब से 25 हजार से 2 लाख रुपए तक लाइसेंस फीस निर्धारित की गई है। 500 लोगों तक की पार्टी के लिए 25 हजार, जबकि 5 हजार से अधिक लोगों के आयोजन पर 2 लाख रुपए फीस देनी होगी।

नियमों की अनदेखी पर कड़ी कार्रवाई

शहर के दो सोनोग्राफी केंद्रों की मान्यता निरस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम का उल्लंघन करने वाले सेंटरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय द्वारा किए गए नियमित निरीक्षण में नियमों की धज्जियां उ?ाने वाले दो प्रमुख सोनोग्राफी केंद्रों नर्मदा इमेजिंग एंड डायग्नोस्टिक सेंटर (सुलतानिया रोड) और सेंट्रल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (मोतिया तालाब) की मान्यता तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई है।

निरीक्षण के दौरान नर्मदा इमेजिंग सेंटर में भारी खामियां पाई गईं। यहां डॉ. नीतिश अरोरा अनाधिकृत रूप से ईको कॉर्डियोग्राफी करते हुए पाए गए। इसके अलावा केंद्र का एएनसी रजिस्टर अपूर्ण था और फार्म-एफ (गर्भवती महिलाओं की जांच का रिकॉर्ड) पर न तो रेफर करने वाले डॉक्टर का पता था और न ही सोनोग्राफी करने वाले डॉक्टर के हस्ताक्षर और सील थे।

वहीं, सेंट्रल हास्पिटल में भी दस्तावेजों के साथ खिलवाड़ मिला। यहां मरीजों के मोबाइल नंबर, बच्चों की संख्या और जांच रिपोर्ट तक का उल्लेख नहीं था। केंद्र ने फार्म पर अपना पीसीपीएनडीटी पंजीयन क्रमांक तक गलत दर्ज कर रखा था।

जिला सलाहकार समिति की बैठक में हुआ फैसला

इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने जिला सलाहकार समिति की बैठक में प्रस्ताव रखा, जहां सर्वसम्मति से दोनों केंद्रों का लाइसेंस रद्द करने का निर्णय लिया गया। एक्ट के प्रावधानों के तहत अब इन केंद्रों पर किसी भी प्रकार की सोनोग्राफी जांच नहीं की जा सकेगी। पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत दस्तावेजों का पारदर्शी और नियमानुसार रखरखाव करना अनिवार्य है। भ्रूण लिंग परीक्षण रोकने की दिशा में यह कानून बेहद सख्त है। निरीक्षण के दौरान इन केंद्रों पर रिकार्ड में गंभीर खामियां मिली थीं, जिसके कारण इनका पंजीयन निरस्त किया गया है। विभाग का अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी स्तर पर नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मानव संग्रहालय में शाश्वती कार्यक्रम

बांस-शिल्प, चमड़ा शिल्प व सोहराई की लगी प्रदर्शनी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मानव संग्रहालय द्वारा आयोजित शाश्वती कार्यक्रम में किया गया है। देश भर के 16 राज्यों से आई 35 महिला कलाकारों ने कार्यक्रम में भाग लिया है। जिसमें बुनाई, कढ़ाई, पॉटरी, डोकरा, बांस शिल्प, चमड़ा शिल्प, पट्टचित्र, और सोहराई जैसी पारंपरिक चित्रकलाओं का जीवंत प्रदर्शन किया गया है। भारतीय कला और शिल्प के क्षेत्र में हस्तनिर्मित वस्तुओं को जीवंत करने का काम कर रही मणिपुर सहित कई राज्यों की महिलाएं न केवल महिला सशक्तिकरण की नींव को मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज को अपनी सकारात्मकता का परिचय भी दे रही हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी विभिन्न पारंपरिक वस्तुओं को बुनती, सहेजती इन महिलाओं को मंच देने का कार्य किया। एक सदियों से पुरानी पारंपरिक कला जो मंदिरों और महलों की दीवारों पर हिंदू पौराणिक कथाओं, जैसे रामायण और महाभारत के दृश्यों को चित्रित करती है. जो प्राकृतिक रंगों से बनाई जाती है। ऐसी म्यूरल पेंटिंग्स को कैनवास पर उतारने का काम कर रही हैं कालीकट की प्रिया पेरुम्पिलाविल। इस चित्रकला में 15 वीं से 19 वीं शताब्दी के बीच के कला, आध्यात्मिकता और केरल की संस्कृति का सुंदर संगम शामिल है।

कौना घास से बनी चटाई

इसके औषधीय गुणों में विश्वास के कारण वे इससे चटाई बनाते हैं; कौना की चटाई पर सोने से पुराने बुखार ठीक होते है और कमर दर्द से राहत मिलती है। यह पौधा कीट-प्रतिरोधी है। हानिकारक सूक्ष्मजीवों और धातुओं को नष्ट करके जल के दुरुपयोग को कम करने में सहायक है। मणिपुर से आई तमूहेन बताती हैं, दलदली धान के खेतों में उगने वाली कौना घास मणिपुरी लोककथाओं और पौराणिक पवित्र नाग देवता 'नोंग्दा लैरेन पाखान' से जुड़ी हुई है. इसे सरकंडा भी कहा जाता है।

रेस्टोरेंट और बार में जीएसटी का छापा

भोपाल। स्टेट जीएसटी की कर अपवंचन विंग ने सोमवार शाम को भोपाल में बंसल वन स्थित दो अलग-अलग बार एवं रेस्टोरेंट में छापा मारा। विभाग की कार्रवाई देर रात तक जारी रही। इसमें एक बार-रेस्टोरेंट एक राजनीतिक दल से जुड़े व्यापारी का बताया जा रहा है। कर चोरी के संदेह में टीम ने कार्रवाई की है। जीएसटी की टीम ने दोनों जगह से बिलों की जानकारी ली है। यह भी देखा जा रहा है कि बिलों में कोई गड़बड़ी तो नहीं की गई है। डिजिटल डिवाइसों की भी जांच की जा रही है। जीएसटी के अधिकारियों ने बताया कि करवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी इसके बाद ही पता चलेगा कि क्या गड़बड़ी की गई है। विभाग की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आयी है। कार्रवाई फिलहाल जारी है। इसके बाद ही आगे की जानकारी सामने आएगी।

दुष्यंत संग्रहालय में साहित्यकारों का हुआ सम्मान

लोक कल्याण का माध्यम है साहित्य - राज्यपाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मुझे साहित्यकारों के बीच आना सदैव प्रीतिकर लगता है, साहित्यकारों का सम्मान करना मेरे लिए स्वयं को सम्मानित करने जैसा है। साहित्य वही है जो जन सरोकार से जुड़ा हो। यह सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं होता बल्कि लोक कल्याण का विषय होता है। राज्यपाल दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय द्वारा स्थापना पर्व के अवसर पर आयोजित अलंकरण एवं सम्मान समारोह में बोल रहे थे । इस अवसर पर वरिष्ठ कथाकार उदयप्रकाश को राष्ट्रीय दुष्यन्त अलंकारण, कान्ति शुक्ला उर्मि को सुदीर्घ साधना सम्मान, डॉ बहादुर सिंह को आँचलिक भाषा सम्मान, डॉ. जवाहर कर्नावट को विशिष्ठ हिंदी सेवी सम्मान, विजय वाजपेई राजभाषा सम्मान, अरुण तिवारी सम्पादक को पत्रकारिता सम्मान से विभूषित किया गया । इस अवसर रविन्द्रनाथ टैगोर विश्विद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने कहा कि आज सम्मानित होने वाले सभी रचनाकारों के सृजन में आम आदमी की पीड़ा है, रचनाकारों को हिंदी समृद्ध करने के लिए बोलियों से रस मिलता है। उन्हें समृद्ध करना आवश्यक है। स्वागत उदबोधन केंद्र की निदेशक सचिव करुणा राजुरकर ने दिया। दूसरे सत्र में सम्मानित रचनाकारों ने इक्कीसवीं सदी का भारत विषय पर अपनी बात रखी । अतिथियों का स्वागत संग्रहालय की ओर से घनश्याम मैथिल अमृत, मनोज मीक, सुरेश पटवा, व्ही के श्रीवास्तव ने किया। सम्मानित जनों का प्रशस्ति वाचन डॉ. अरविन्द सोनी ने किया। आभार केंद्र के अध्यक्ष रामराव वामनकर ने आभार प्रकट किया।

नवयुवक सभा की शिक्षण संस्थाओं का वार्षिक समारोह

माता-पिता व गुरू के आशीर्वाद से मिलती है उन्नति की प्रेरणा: जैन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नवयुवक सभा की शिक्षण संस्थाओं का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. जैन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। जैन ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरूआत की। जैन ने कहा कि जीवन में अनुशासन और नम्रता ही सफलता के मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने विद्यालय द्वारा दिए जाने वाले संस्कारों पर जोर देते हुए कहा कि माता-पिता और गुरु ईश्वर के रूप हैं, जिनका आशीर्वाद विद्यार्थियों को हमेशा उन्नति की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मंजिल चाहे कितनी भी ऊँची क्यों न हो, रास्ते हमेशा पैरों के नीचे होते हैं। इस दौरान प्राचार्या प्रिया बुधानी, ज्योति चौहान और प्राचार्य हरिओम शर्मा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर संस्थानों की शैक्षणिक व खेलकूद गतिविधियों की जानकारी दी। नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी ने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर नवयुवक सभा प्रबंध समिति के सदस्य महेश दयारामानी, राजेश हिंगोरानी, सुरेश राजपाल, दिनेश वाधवानी आदि उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर रवींद्र भवन में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय द्वारा प्रस्तुत नाटक 'दफन करो' का मंचन

आंखों में उदासी और चेहरे पर प्रतीक्षा का दिखाया दर्द

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रवींद्र भवन में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय द्वारा प्रस्तुत नाटक 'दफन करो' का मंचन किया गया। मंच पर छह शव सफेद चादरों में लिपटे थे। प्रकाश संयोजन और पार्श्व संगीत के साथ कब्र खोदते चार सिपाही और एक सार्जेंट का दृश्य युद्ध की भयावह सच्चाई को सामने रख रहा था। नाटक के शुरुआती क्षण में मंच के एक छोर पर छह महिलाएं थीं। कोई गर्म कपड़े सिल रही थी, कोई सैनिक की वर्दी इस्त्री कर रही थी, तो कोई अपने बेटे के जूते सहेज रही थी तो कोई प्रिय की तस्वीर थामे बैठी थी। आंखों में उदासी और चेहरे पर प्रतीक्षा का दर्द लिए ये दृश्य दर्शकों को भीतर तक छू गए। वहीं कब्र के पास बैठे चार सैनिकों को टुकड़ियों द्वारा गाया गीत उनके मन की व्यथा कह गया। नाटक की कथा युद्ध

में मारे गए छह सैनिकों के इर्द गिर्द घूमती है। जो दफन होने से इनकार कर देते हैं। वे सवाल उठाते हैं कि यदि युद्ध महान है तो मरने वाले वही क्यों हैं। लेखक इरविन शॉ की यह रचना युद्ध की निरर्थकता और सत्ता की क्रूरता पर तीखा प्रहार करती है। निर्देशक सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ के निर्देशन में छात्रों की यह प्रस्तुति भावनात्मक और वैचारिक दोनों स्तरों पर प्रभावी रही। हमें दफनाओ मत करो, हम मर गए हैं, बस इतनी ही तो बात है। यह पंक्तियां जैसे ही मंच से गूंजीं रवींद्र भवन में सन्नाटा छा गया। दर्शक दीर्घा में बैठे लोग अचानक युद्ध और सैनिकों की उस पीड़ा से रूबरू हो गए, जिसे अक्सर सम्मान और नारों के पीछे छुपा दिया जाता है। कलाकारों की इस प्रस्तुति ने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध में केवल शरीर नहीं मरते बल्कि संवेदना और मानवता भी घायल होती है। यह नाटक केवल एक मंचीय प्रस्तुति नहीं बल्कि युद्ध के खिलाफ उठी एक मजबूत आवाज बनकर सामने आया।

अमर कथा का नियमित पाठ करे सिंधी समाज- सबनानी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नाहिरी माह के पावन अवसर पर पूज्य झूलेलाल चालीहा साहिब के निमित्त झूलेलाल ठक्कुर आसनलाल मंदिर, बी वार्ड, पुराना बैरागढ़ से 21 नवंबर को प्रारंभ हुई 40 दिवसीय प्रभात फेरी का समापन हुआ।

संतनगर पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत आसवानी ने बताया की समापन अवसर पर प्रातः 5:00 बजे पूज्य बहिराणां साहिब का विधिवत आयोजन किया गया। इसके पश्चात प्रभात फेरी जुलूस के रूप में निकाली गई, जिसका शहर के विभिन्न स्थानों पर भक्तजनों द्वारा भव्य और स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से खूबचंदानी परिवार, धर्मानी परिवार, शेरू रीजवानी परिवार, सुखानी परिवार, पूज्य सिंधी पंचायत एवं चंद्र भोजवानी परिवार शामिल रहे। भक्तजन ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूमते-नाचते हुए कमला पार्क स्थित शीतलदास की बगिया में झूलेलाल घाट पहुंचे। इस अवसर पर विधायक भगवान दास सबनान, सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी तथा घनश्याम पंजवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सबनानी ने कहा कि प्रत्येक समाजजन को अमर कथा का नियमित पाठ करना चाहिए एवं इसे अपने घरों में स्थापित करना चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को सनातन धर्म की संपूर्ण जानकारी मिल सके और वे अपने धर्म का पालन कर सकें।

हनुवंतिया में नववर्ष का उल्लास

'एक्वा सेरेनेड' थीम पर जल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हनुवंतिया को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के विजन अनुसार पर्यटन विभाग सतत प्रयास कर रहा है। इसी क्रम मे प्रसिद्ध जल पर्यटन स्थल हनुवंतिया में जल महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। नर्मदा बैकवॉटर के सुरम्य और शांत वातावरण में आयोजित यह महोत्सव नववर्ष के स्वागत के साथ पर्यटन, संस्कृति और उत्सव का अद्भुत संगम बनकर सामने आया।

पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी के मार्गदर्शन और अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व शिव शेखर शुक्ला के कुशल नेतृत्व में 'एक्वा सेरेनेड इन हनुवंतिया' थीम आधारित नववर्ष उत्सव की औपचारिक शुरुआत की गई। इस अवसर पर खंडवा जिले की अतिरिक्त कलेक्टर सृष्टि देशमुख ने फीता काटकर जल महोत्सव का शुभारंभ किया। इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को उल्लास, आनंद और उत्सव के रंगों से सराबोर कर दिया। हनुवंतिया क्षेत्र प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। लगभग 95 वर्ग किलोमीटर में फैला विशाल जलाशय, 90 से अधिक द्वीप, शांत वातावरण और जैव विविधता इसे विशिष्ट बनाते हैं। यही कारण है कि हनुवंतिया आज पर्यटन, निवेश और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है।

17 एकड़ में फैली टेंट सिटी, 104 स्विस कॉटेज

जल महोत्सव के अंतर्गत विकसित टेंट सिटी लगभग 17 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें कुल 104 स्विस कॉटेज टेंट स्थापित किए गए हैं। इनमें डीलक्स एवं लग्ज़री श्रेणी के टेंट शामिल हैं, जो पर्यटकों को प्रकृति के बीच सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक ठहराव का अनुभव प्रदान कर रहे हैं। इस वर्ष भी 30 दिसंबर से प्रारंभ हुए जल महोत्सव के अंतर्गत 100 दिनों तक निरंतर विभिन्न रोमांचक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

आईटीआई में शुरू कराएं डेयरी टेक्नालाजी की ट्रेनिंग, सीएम बोले

दूध उत्पादकों को टाइम लिमिट में हो पेमेंट, सांची ब्रांड का करें विस्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में डेयरी टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं। प्रदेश के दूध का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का भी आधार बनाया जाए। सभी जिलों में सांची ब्रांड का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। सांची प्रोडक्ट्स की ब्रांडिंग में गोवंश और गोपाल को शामिल किया जाए। अब तक 1241 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन तथा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य हुए एग्रीमेंट के अंतर्गत बनी राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक में दिए। समत्व भवन में हुई बैठक में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास उमाकांत उमराव तथा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के पदाधिकारी उपस्थित थे।

दुग्ध उत्पादकों को नियमित भुगतान समय सीमा में हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुग्ध संकलन व्यवस्था की मजबूत निगरानी होना चाहिए। दूध खरीदी की कीमतें उत्पादकों के लिए लाभप्रद हों और खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता हो। दुग्ध उत्पादकों को उनका भुगतान नियमित रूप से समय-सीमा में हो, यह भी ध्यान रखना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पीपीपी मोड पर निजी भागीदारी और डेयरी सहकारी समितियों के समन्वय से दुग्ध उत्पादन गतिविधियों का विस्तार किया जाए। इससे प्रदेश में उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने, किसानों की आय बढ़ाने और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में डेयरी टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं। इससे डेयरी प्लांट संचालन में मदद मिलेगी और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि दुग्ध उत्पादकों को दूध मूल्य के नियमित एवं समय पर भुगतान के लिए 10 दिन का रोस्टर तय किया गया है। दुग्ध संघों द्वारा दूध खरीदी मूल्यों में 2 रुपए 50 पैसे से 8 रुपए 50 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। अब तक 1241 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया है तथा 635 निष्क्रिय दुग्ध समितियों को क्रियाशील बनाया गया है। सम्पूर्ण डेयरी वेल्यू चैन का डिजिटाइजेशन करने के लिए भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, बुंदेलखंड तथा जबलपुर दुग्ध संघों में सॉफ्टवेयर क्रियान्वित किया गया है। दुग्ध संकलन के लिए इंदौर दुग्ध संघ से मोबाइल ऐप की व्यवस्था लागू की गई है जिससे दूध की मात्रा, गुणवत्ता और मूल्य की जानकारी तत्काल प्राप्त होती है।

35 लाख लीटर दूध विक्रय का टारगेट

बैठक में बताया कि वर्ष 2029-30 तक 26 हजार गांवों तक डेयरी सहकारी कवरेज का विस्तार करने प्रतिदिन 52 लाख कि.ग्रा. दुग्ध संकलन करने, प्रतिदिन 35 लाख लीटर दुग्ध विक्रय और 63.3 लाख लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण क्षमता का लक्ष्य लेकर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। पिछले 2 वर्ष से बंद शिवपुरी डेयरी संयंत्र को प्रारंभ करने के लिए प्रक्रिया आरंभ की गई है। जबलपुर में स्थापित 10 मैट्रिक टन क्षमता के पनीर प्लांट को पुन- आरंभ करने के लिए 5 करोड़ रूपए का निवेश किया जाएगा। इंदौर में स्थापित 30 मैट्रिक टन क्षमता का दूध पाउडर संयंत्र प्रारंभ किया गया है। इसके माध्यम से 3 लाख लीटर दूध का प्रतिदिन प्रसंस्करण किया जा रहा है। ग्वालियर डेयरी संयंत्र के सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है।

संपदा 2.0 की सुस्त रफ्तार, घर बैठे रजिस्ट्री के दावे हो रहे फेल

ओटीपी और सर्वर के चक्कर में 4 घंटे तक भटक रहे लोग

» रजिस्ट्री के तुरंत बाद पटवारी को नहीं मिल रही सूचना

» लंबित हो रहे नामांतरण के केस, जनता में आक्रोश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में पंजीयन और नामांतरण को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए 10 अक्टूबर 2024 को शुरू संपदा 2.0 पोर्टल विभागीय उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। दावे थे कि लोग घर बैठे इससे जमीन की रजिस्ट्री करा सकेंगे, चाहे वह देश में हों या विदेश में। हकीकत ये है कि तीन से चार घंटे रजिस्ट्री में लग रहे हैं। सबसे अधिक दिक्कत ओटीपी नहीं आने की है। कभी संपदा 2.0 का सर्वर डाऊन होने से तो कभी यूआइडीएआइ के सर्वर की धीमी गति के चलते आधार ओटीपी नहीं आता।

दरअसल, ऑनलाइन रजिस्ट्री में ओटीपी सत्यापन की प्रक्रिया लंबी होती है, जिससे लोग रजिस्ट्रार कार्यालय जाकर पंजीयन कराना अधिक आसान मान रहे हैं। इसी तरह से संपत्ति के पंजीयन के लिए उसकी जियो टैगिंग आवश्यक है, लेकिन कुछ जगह जियो फेंसिंग की सीमा और राजस्व सीमा अलग-अलग होने के कारण दूसरे क्षेत्र की लोकेशन आ जाती है। पंजीयन कार्यालय से इसमें मैन्युअली सुधार कराना पड़ता है।

समस्याओं को लेकर कलेक्टर को सौंपा था ज्ञापन

सर्वे एजेंसियों ने विभिन्न जिलों में पटवारियों, स्टांप वेंडरों और संपत्ति खरीदने, बेचने, बंधक या बंधकमुक्त कराने वालों से बात की तो इस तरह की दिक्कतों का पता चला। बातचीत में यह भी पता चला है कि कभी-कभी फाइल अपलोड नहीं हो पातीं। बुजुर्गों के थंब इंप्रेशन या रेटिना स्कैन नहीं होने से भी प्रक्रिया अटक जाती है। नामांतरण में नाम परिवर्तन में दिक्कत आती है। राजगढ़ में जिले भर के पटवारियों ने सितंबर में इन समस्याओं को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था।

यह समस्याएं भी

संपदा 2.0 में मिसल बंदोबस्त का रिकार्ड हटा दिया गया। ऐसे में पटवारियों को यह पता करने में परेशानी होती है कि पहले कोई जमीन किसके नाम पर थी। पहले 1959 तक का रिकॉर्ड मिल जा रहा था। खसरा, समग्र आइडी और आधार को लिंक करने में भी कई बार समस्या होती है। जमीन के डायवर्जन के दौरान चालान बनाने के लिए ई-केवायसी की आवश्यकता होती है, जिसमें लिंक नहीं होने से दिक्कत आ रही है।

कांग्रेस के छात्रसंगठन भी में घमासान

रद्द की गई सेज यूनिवर्सिटी की एनएसयूआई कार्यकारिणी

भोपाल। कांग्रेस संगठन के भीतर जारी नियुक्तियों और आंतरिक खींचतान के बाद अब उसका असर छात्र संगठन एनएसयूआई में भी साफ नजर आने लगा है। भोपाल के सेज विश्वविद्यालय में घोषित एनएसयूआई कार्यकारिणी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भोपाल जिला एनएसयूआई अध्यक्ष अक्षय तोमर ने इस कार्यकारिणी को अनाधिकृत और असंवैधानिक बताते हुए तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

जिला अध्यक्ष को नहीं दी जानकारी- जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने स्पष्ट किया कि सेज विश्वविद्यालय में एनएसयूआई की जिस कार्यकारिणी की घोषणा की गई, उसकी उन्हें कोई पूर्व जानकारी नहीं दी गई थी। सोशल मीडिया के जरिए सामने आई इस सूची को उन्होंने संगठनात्मक प्रक्रिया के खिलाफ बताया। उनका कहना है कि संगठन के संविधान के तहत जिला अध्यक्ष की अनुमति और अनुमोदन के बिना किसी भी कार्यकारिणी का गठन वैध नहीं हो सकता।

संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन

अपने आदेश में अक्षय तोमर ने कहा कि उक्त कार्यकारिणी के गठन अथवा उसके सार्वजनिक होने से पहले उनसे न तो सहमति ली गई और न ही कोई चर्चा हुई। यह न केवल संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन है, बल्कि पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करता है। उन्होंने दो टूक कहा कि एनएसयूआई में मनमाने फैसलों के लिए कोई जगह नहीं है।

मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी और मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के मध्य हुआ एमओयू

हिंदी भाषा को बढ़ावा देने दोनों संस्थाओं ने उठाया कदम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल में, एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी और मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य, हिंदी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करना था। बैठक में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रतिनिधियों एवं भोज मुक्त विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ मिलकर हिंदी भाषा के विकास और प्रचार प्रसार के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी और भोज मुक्त विश्वविद्यालय के बीच हुए इस समझौते से हिंदी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, साथ ही दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग भी बढ़ेगा। बैठक के आरंभ में, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल का शॉल एवं तुलसी का पौधा देकर अभिनंदन किया। बैठक की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मिलिंद दांडेकर ने की।

विश्वविद्यालय की ओर से एम ओ यू पर कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया द्वारा हस्ताक्षर किए गए जबकि हिन्दी ग्रंथ अकादमी की ओर से इस औपचारिकता का निर्वहन संयुक्त संचालक डॉ उत्तम सिंह चौहान द्वारा किया गया।

शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में 100त्न महिला आरक्षण को हाईकोर्ट में चुनौती

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर आरोप लगाया गया है कि प्रदेश के शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में असिस्टेंट, एसोसिएट प्रोफेसर व अन्य पदों पर महिलाओं को सौ प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया है। मामले पर जस्टिस अमित सेठ तथा जस्टिस हिमांशु जोशी की अवकाशकालीन युगलपीठ ने सरकार को अपना जवाब पेश करने के निर्देश दिए। मामले की सुनवाई 5 जनवरी को नियत की गई है। जबलपुर निवासी नौशाद अली की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल की ग्रुप-1 सब ग्रुप-2 संयुक्त भर्ती परीक्षा 2025 के विज्ञापन में असिस्टेंट प्रोफेसर तथा एसोसिएट प्रोफेसर सहित ट्यूटर के कुल 286 पदों पर महिला उम्मीदवारों को सौ प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

मेट्रो एंकर

भीड़ भरे रास्ते को ब्लॉक कर दिखा रहे वैकल्पिक रूट, सीधे पार्किंग तक पहुंच रहे श्रद्धालु

उज्जैन में पहली बार गूगल मैप से क्राउड मैनेजमेंट

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

2025 की विदाई और 2026 के स्वागत के लिए उज्जैन में लगातार भीड़ उमड़ रही है। गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित मध्य प्रदेश के अलग-अलग शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। स्थानीय प्रशासन का दावा है कि उज्जैन में प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु आ रहे हैं। सामान्य दिनों में रोजाना करीब 6 हजार फोर व्हीलर वाहन उज्जैन आते हैं। फिलहाल, यह संख्या बढ़कर 12 हजार तक पहुंच गई है। ऐसे में जाम की स्थिति से बचने के लिए पहली बार उज्जैन पुलिस ने गूगल मैप में तकनीकी बदलाव कर हाईटेक क्राउड मैनेजमेंट शुरू किया है।

पुलिस ने गूगल मैप के जरिए हैवी ट्रैफिक वाले रूट को ब्लॉक कर मंदिर की ओर आने वाली भीड़ को शहर के भीतर प्रवेश करने से रोका है। इसके लिए गुरुग्राम की इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनी, साइबर टीम और पुलिस के 10 सदस्यों की संयुक्त टीम ने गूगल के एल्गोरिदम में बदलाव किया है। यह टीम किसी भी सड़क पर जाम की स्थिति बनते ही तत्काल उस मार्ग को गूगल मैप से ब्लॉक कर देती है और वैकल्पिक खाली मार्ग को सक्रिय कर देती है। इससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को शहर के भीतर जाने का मार्ग दिखाई नहीं देता और वे सीधे निर्धारित पार्किंग तक पहुंच जाते हैं। सीनियर अफसरों का कहना है कि यदि यह योजना पूरी तरह सफल रहती है, तो सिंहस्थ 2028 में भी इसे लागू किया जा सकता है।

सीएसपी राहुल देशमुख ने कहा- चार धाम स्मार्ट पार्किंग और हरसिद्धि मंदिर की पाल के पास बनी पार्किंग महाकाल मंदिर के सबसे नजदीक हैं। यहां देशभर से आने वाले श्रद्धालु गूगल मैप के जरिए भीड़भाड़ वाले इलाकों से शहर में प्रवेश कर जाते थे, जिससे जाम की स्थिति बनती थी। इससे बचने के लिए तकनीकी डेटा का उपयोग कर वाहनों को भीड़भाड़ वाले मार्गों पर जाने से रोक दिया जाता है।गूगल मैप पर श्रद्धालुओं को वही डेडिकेटेड रूट दिखाया जाता है, जो उन्हें संकरे रास्तों और शहर के अंदरूनी क्षेत्रों से बचाते हुए सीधे बाहरी मार्गों से पार्किंग तक पहुंचाता है। इस प्रक्रिया पर यातायात और साइबर टीम लगातार काम कर रही है।

आईटी कंपनी के साथ रियल टाइम ट्रैफिक की निगरानी

सीएसपी देशमुख ने बताया- पुलिस की 10 सदस्यीय टीम सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक रियल टाइम ट्रैफिक की निगरानी करती है। जिस मार्ग पर यातायात बढ़ता है या जाम की स्थिति बनती है, उसे तुरंत डायवर्ट कर दिया जाता है। इसके बाद गूगल मैप पर उस रूट को हटा दिया जाता है और श्रद्धालुओं को केवल वही वैकल्पिक मार्ग दिखाया जाता है, जिससे वे सीधे पार्किंग तक पहुंच सकें। इसके लिए गुरुग्राम की एक आईटी कंपनी को हायर किया है। यह कंपनी गूगल के एल्गोरिदम के जरिए केवल खाली रूट को ही दिखाती है। सीएसपी देशमुख ने बताया कि डेडिकेटेड टीम द्वारा रियल टाइम में रूट बदले जा रहे हैं। गूगल मैप की सहायता से महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु पुलिस के बताए रास्तों से सीधे पार्किंग तक पहुंच रहे हैं, वह भी बिना शहर में प्रवेश किए।

संघ का आत्मपरीक्षण

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जब अपने सौवें वर्ष को पूरा कर गया है, तो यह पड़ाव केवल गौरवपूर्ण इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का भी है। संघ जिस संगठनात्मक बदलाव की तैयारी कर रहा है, वह संकेत देता है कि वह समय की मांग को समझते हुए खुद को और अधिक प्रभावी, लचीला और समाज-केंद्रित बनाना चाहता है। यह बदलाव सत्ता या तात्कालिक राजनीतिक लाभ से अधिक, समाज के भीतर अपनी जड़ों को गहराई देने की सोच से जुड़ा है। संघ की पहचान हमेशा एक जमीनी संगठन के रूप में रही है। शाखाओं से लेकर सेवा कार्यों तक, उसका विस्तार गांवों और मोहल्लों में दिखता है। लेकिन अब नेतृत्व यह महसूस कर रहा है कि बदलते सामाजिक ढांचे और बढ़ती अपेक्षाओं के बीच संगठन को नई प्रशासनिक ऊर्जा की जरूरत है। सर संघचालक मोहन भागवत द्वारा बार-बार विकेंद्रीकरण और सामाजिक समरसता पर दिए गए जोर को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। प्रस्तावित पुनर्गठन उसी सोच को व्यवहार में उतारने की कोशिश है। प्रांत व्यवस्था में बदलाव और छोटे संभागों के गठन का विचार केवल तकनीकी संशोधन नहीं है। इसके पीछे मंशा यह है कि निर्णय प्रक्रिया को तेज और स्थानीय जरूरतों के अनुकूल बनाया जाए। शीर्ष नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच संवाद की दूरी कम हो, ताकि समाज के भीतर उभर रहे मुद्दे सीधे नीति-निर्धारण तक पहुंच सकें। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में संभागों को प्रशासनिक इकाइयों से जोड़ने की योजना यह दिखाती है कि संघ स्थानीय शासन संरचनाओं की वास्तविकताओं को भी समझ रहा है। इस पुनर्गठन का एक अहम पहलू संघ और उसके राजनीतिक सहयोगियों के बीच समन्वय की नई शैली हो सकती है। अब तक ऊपर से नीचे तक तालमेल की जो व्यवस्था रही है, उसकी जगह नीचे से ऊपर तक विचारों के प्रवाह पर जोर दिया जाना एक बड़ा संकेत है। यह बदलाव संघ की उस मूल विचारधारा से मेल खाता है, जिसमें समाज को राजनीति से ऊपर रखा गया है। साथ ही, यह भी स्पष्ट है कि संघ अपने मूल स्वरूप से समझौता नहीं करना चाहता। प्रचारकों से सादगी, सामाजिक प्रतिबद्धता और दीर्घकालिक दृष्टि की अपेक्षा बनी रहेगी। तकनीक और आधुनिक संवाद माध्यमों के विस्तार की योजना संघ के इस विश्वास को दर्शाती है कि विचारों को फैलाने के लिए समय के साथ कदम मिलाना जरूरी है। प्रस्तावित यह संगठनात्मक पुनर्गठन दरअसल संघ का आत्मपरीक्षण है- एक ऐसा प्रयास, जिसमें वह अतीत की ताकत को आधार बनाकर भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रहा है।

नववर्ष पर विशेष

नए साल की परम्पराएं... हर प्रदेश अपने तरीके से कहता है 'हैप्पी न्यू ईयर'

श्वेता गोयल

शिक्षाविद

नए साल के आगमन की खुशी में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नाचते-गाते हैं और खुशियां मनाते हैं। नाच-गाने का यह सिलसिला घड़ी में रात्रि के 12 बजने अर्थात् नव वर्ष के आरंभ होने तक चलता है और घड़ी की सुईयों द्वारा जैसे ही 12 बजने का संकेत मिलता है अर्थात् नया साल दस्तक देता है, चहुं ओर आतिशबाजियों का धूमधड़ाका शुरू हो जाता है और एकबारगी तो यही अहसास होता है कि मानो डेढ़-दो माह बाद एक बार फिर से दीवाली का त्यौहार लौट आया हो। नव वर्ष के प्रथम दिन लोग एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई देते हुए स्वयं के लिए भी कामना करते हैं कि नया साल शुभ एवं फलदायक हो और नव वर्ष में सफलता उनके कदम चूमे।

दुनिया भर में नव वर्ष का स्वागत बड़ी धूमधाम, उमंग और उल्लास के साथ किया जाता है। अनेक देशों में नववर्ष से जुड़ी अपनी-अपनी परम्पराएं हैं। हमारे देश के विभिन्न प्रांतों में भी नववर्ष का स्वागत अलग-अलग तरीके से किया जाता है लेकिन कई जगह नव वर्ष मनाने की परम्पराएं और रीति-रिवाज इतने विचित्र हैं कि लोग उनके बारे में जानकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं। संभवतः दुनिया भर में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां नव वर्ष एक से अधिक बार और विविध रूपों में मनाया जाता है। हमारे यहां ईस्वी संवत् और विक्रमी संवत् दोनों को ही महत्व दिया जाता है। ईस्वी संवत् के अनुसार नव वर्ष की शुरूआत एक जनवरी को और विक्रमी संवत् के अनुसार नए साल की शुरूआत वैशाख माह के प्रथम दिन से मानी जाती है जबकि इस्लाम में हिजरी संवत् के आधार पर नववर्ष की शुरूआत मानी जाती है।

बहरहाल, नव वर्ष मनाने की परम्पराएं चाहे कुछ भी हों, सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है नव वर्ष सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो। आइए जानते हैं, भारत के विभिन्न हिस्सों में कैसे मनाया जाता है नव वर्ष:-

महाराष्ट्र में नव वर्ष के शुभ अवसर पर एक सप्ताह पहले ही घरों की छतों पर रेशमी पताका फहराई जाती है। घरों व दफ्तरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है तथा इस दिन पतंगें उड़ाकर नव वर्ष का स्वागत किया जाता है। बिहार में नव वर्ष के मौके पर विद्या की देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। गरीब बच्चों को कपड़े तथा चावल का दान किया जाता है ताकि वर्ष भर घरों में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रही। असम में नव वर्ष की यादगार बेला में घर के आंगन में मांडणे (रंगोली) सजाए जाते हैं तथा दीप या मोमबत्तियां जलाई जाती हैं। गाय को रोटी और गुड़ खिलाया जाता है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ गुजरे। केरल में नव वर्ष के अवसर पर नीम व तुलसी की पत्तियां तथा गुड़ खाना शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इनको खाने से शरीर साल भर तक स्वस्थ बना रहता है। राजस्थान में नव वर्ष के विशेष अवसर पर गुड़ से बने पकवान खाना बहुत शुभ माना जाता है ताकि वर्षभर मुंह से मधुर बोली ही निकलती रहे। मणिपुर में इस दिन तरह-तरह की आतिशबाजी की जाती है तथा अनेक स्थानों पर भूत-प्रेतों के पुतले बनाकर भी जलाए जाते हैं ताकि भूत-प्रेत किसी को नुकसान न पहुंचा सकें। छत्तीसगढ़ में यहां के आदिवासी तरह-तरह के गीत गाकर नव वर्ष का स्वागत करते हैं। इस दिन यहां बच्चों को गोद लेने की प्रथा भी है ताकि वर्ष का प्रत्येक दिन खुशियों से भरा रहे। राज्य के कुछ आदिवासी इलाकों में फसल में महुआ के फूल दिखाई देने पर आदिवासी उत्सव मनाया जाता है, जो उनके नव वर्ष का प्रारंभ माना जाता है। देश के कई अन्य आदिवासी इलाकों में उनके देवी-देवताओं के आराधना पर्वों के हिसाब से नव वर्ष की शुरूआत मानी जाती है।

जम्मू कश्मीर में नव वर्ष के उपलक्ष्य पर अनाथ बच्चों को भरपेट भोजन कराकर नए कपड़े पहनाए जाते हैं और उनके माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी जाती है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ व्यतीत हो सके। नागालैंड के नाग आदिवासी नाग पंचमी के दिन से ही अपने नव वर्ष की शुरूआत करते हैं। कृषि प्रधान राज्यों पंजाब तथा हरियाणा में यूं तो आजकल एक जनवरी को ही नववर्ष धूमधाम से मनाया जाता है किन्तु यहां नई फसल का स्वागत करते हुए नववर्ष वैसाखी के रूप में भी मनाया जाता है। व्यापारी समुदाय के लोग अपने आर्थिक हिसाब-किताब की दृष्टि से दीवाली से ही नववर्ष की शुरूआत मानते हैं जबकि वित्तीय आधार पर शासकीय नववर्ष की शुरूआत एक अप्रैल से होती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

फास्ट फूड की मीठी लत और कड़वी सच्चाई बढ़ता जा रहा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट

डॉ. शिवानी कटारा

डेंटल सर्जन, टिप्पणीकार

कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से आई एक खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया। 16 वर्ष की एक किशोरी, जो लंबे समय से अत्यधिक फास्ट फूड खा रही थी, गंभीर रूप से बीमार पड़ी। डॉक्टरों के अनुसार उसकी आंतें आपस में चिपक चुकी थीं, पाचन तंत्र लगभग पूरी तरह नष्ट हो चुका था। पेट में तरल भर गया था, रक्त संचार कम हो गया था और संक्रमण आंतों से फैलकर फेफड़ों तक पहुंच गया। ऑपरेशन हुआ, लेकिन जीवन नहीं बच सका। यह घटना मात्र एक वायरल खबर नहीं, बल्कि हमारे समय के लिए एक भयावह चेतावनी है। यह हमें ठहरकर सोचने को मजबूर करती है-जिस फास्ट फूड को हम बेफिक्र होकर खाते हैं, क्या वह वास्तव में उतना ही मासूम है, या फिर चुपचाप एक ऐसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है, जिसकी कीमत हम आने वाली पीढ़ियों से चुका रहे हैं?

सीधे-सीधे कहें तो फास्ट फूड वही खाना है जो झटपट मिल जाए और झटपट खा लिया जाए। न अधिक इंतजार, न अधिक मेहनत। इसकी पहली वजह है समय की कमी-तेज रफ्तार जीवन में लोगों के पास घर पर खाना बनाने या बैठकर खाने का समय नहीं बचा। दूसरी बड़ी वजह है हर जगह उपलब्धता। फास्ट फूड हर समय सामने है। तीसरी वजह है तीखा और लुभावना स्वाद। नमक, चीनी और तेल अधिक होता है, जो जीभ और दिमाग दोनों को तुरंत आकर्षित करता है। और अंत में, सोशल फैक्टर-पार्टी, बर्थडे, आउटिंग और दोस्तों के साथ मिलने-जुलने में फास्ट फूड अब सामान्य हिस्सा बन चुका है।

फास्ट फूड की लत केवल आदत का विषय नहीं, बल्कि मस्तिष्क की रसायनिकी से जुड़ा हुआ है। अत्यधिक मीठा, नमकीन और तला हुआ भोजन मस्तिष्क में 'डोपामिन' नामक रसायन का स्राव बढ़ाता है, जो तात्कालिक सुख और संतोष का अनुभव कराता है। धीरे-धीरे मस्तिष्क उस स्वाद को उसी सुखद अनुभूति से जोड़ लेता है। यहां तक कि उस भोजन को देखने या उसके बारे में सोचने मात्र से वही प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है। तनाव, थकान, उदासी या अकेलेपन की स्थिति में व्यक्ति अनजाने में ऐसे भोजन की ओर खिंचता है, क्योंकि वह तुरंत अच्छा लगने का एहसास देता है। यही कारण है कि फास्ट फूड धीरे-धीरे कम्फर्ट फूड बन जाता है, जबकि वास्तविकता में वह शरीर के लिए सबसे अधिक असुविधा और रोगों का कारण बनता है।

फास्ट और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई देता है। प्रारंभ में गैस, एसिडिटी, कब्ज़, थकान, त्वचा की समस्याएं, दांतों में केविटीज, मसूड़ों का इन्फेक्शन और एकाग्रता की कमी जैसी छोटी परेशानियां होती हैं, जिन्हें सामान्य मानकर अनदेखा कर दिया जाता है। लेकिन लंबे समय में यही आदतें मोटापा, टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, इंसुलिन प्रतिरोध और मेटाबॉलिक सिंड्रोम का कारण बनती हैं। इन खाद्य पदार्थों में फाइबर और पोषक तत्व कम, जबकि चीनी, नमक और

हानिकारक वसा अत्यधिक होती है। इससे आंतों के लाभकारी जीवाणु नष्ट होते हैं, सूजन बढ़ती है और पाचन तंत्र कमजोर पड़ता है। बच्चों और किशोरों में इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है, क्योंकि इसी अवस्था में शरीर और आदतें दोनों आकार ले रही होती हैं।

यह केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है। इन रोगों का इलाज सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी बोझ डालता है, कार्यक्षमता घटती है और स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च गरीब और मध्यम वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करता है। दूसरे शब्दों में, फास्ट फूड का सस्ता होना एक भ्रम है-इसकी वास्तविक कीमत अस्पताल, दवाइयों और खोए हुए जीवन वर्षों के रूप में समाज चुका रहा है।

आज फास्ट फूड केवल प्लेट में परोसा गया खाना नहीं है, यह एक आक्रामक व्यवस्था है। चमकदार विज्ञापन, बच्चों को लुभाने वाले खिलौने, भारी छूट, मोबाइल ऐप्स की एक क्लिक सुविधा-सब मिलकर इसे हर उम्र, हर वर्ग तक पहुंचा रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं है कि भारत में फास्ट फूड उद्योग तेजी से फैल रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत का फास्ट फूड बाजार लगभग 18.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था और इसके 2033 तक 35.5 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, यानी यह उद्योग लगभग 7 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर से आगे बढ़ रहा है। इस विस्तार का सबसे बड़ा असर बच्चों और युवाओं पर दिखाई देता है। विभिन्न भारतीय अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि स्कूल और कॉलेज आयु वर्ग में फास्ट फूड का सेवन 30 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की व्यापकता दिखाता है। अर्थात यह अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य आदत बन चुकी है।

इसके बावजूद, नीति स्तर पर स्थिति चिंताजनक है। तंबाकू और शराब जैसे उत्पादों पर स्वास्थ्य चेतावनियां, कर और विज्ञापन नियंत्रण लागू हैं, लेकिन जंक फूड/फास्ट फूड—जो बच्चों के शरीर और मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करता है, अब भी अपेक्षाकृत ढीले नियमन के दायरे में है। विधायिका और सार्वजनिक नीति विमर्श में जंक फूड और शीतल पेयों पर चर्चा का अनुपात अत्यंत सीमित पाया गया है, जो यह संकेत देता है कि बढ़ते जोखिम के बावजूद इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में पर्याप्त गंभीरता से नहीं लिया गया है, जिससे स्वाद और सुविधा के नाम पर एक गहरा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट चुपचाप आकार ले रहा है।

अब समय आ गया है कि फास्ट फूड को केवल व्यक्तिगत पसंद कहकर पल्ला न झाड़ा जाए। यह एक नीति-स्तरीय मुद्दा है। बच्चों को लक्षित जंक फूड विज्ञापनों पर सख्त नियंत्रण, स्कूलों के आसपास फास्ट फूड बिक्री पर नियमन, स्पष्ट पोषण चेतावनियाँ, और जन-जागरुकता अभियानों को अनिवार्य बनाना—ये सब विकल्प नहीं, आवश्यकता हैं। मुरादाबाद की वह किशोरी किसी एक परिवार की निजी त्रासदी नहीं, बल्कि उस सामाजिक व्यवस्था का परिणाम है जिसने स्वाद को स्वास्थ्य से ऊपर रखा। यदि हमने इसे आज भी केवल एक खबर मानकर भुला दिया, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य होंगी। यह चेतावनी नहीं, बल्कि नीति, सोच और भोजन-दृष्टि बदलने का एक अहम अवसर है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

न्यूटिशन टिप्स

'रेनबो' डाइट बने जिंदगी का हिस्सा तो बढ़ेगी बीमारियों से लड़ने की क्षमता

कुछ साल पहले इंटरनेट पर इंद्रधनुष डाइट वायरल हो गई थी। हर जगह इसके बारे में लिखा और बताया जा रहा था। रंग बिरंगे फूड्स से बनी यह डाइट कई सारे रोगों को मिटाने और उनसे बचाने के लिए जानी जाती है। इसे रेनबो डाइट भी कहते हैं, जिसमें आपको फूड का रंग देखकर खाना होता है। इन फूड्स का रंग अंदरुनी फंक्शन और कंपाउंड से आता है, जो आपकी बॉडी को भी फायदा देते हैं।

रेनबो डाइट में आपको अलग अलग रंग के फल और सब्जी खाने होते हैं। खाद्य पदार्थों का रंग कैरोटेनॉइड, फ्लेवोनोइड और पोलीफेनोल्स की वजह से आता है। यही कंपाउंड शरीर में मौजूद इंफ्लामेशन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं।

लाल फूड: लाल सब्जी और फल में एंथोसायनाइन और लाइकोपीन एंटीऑक्सीडेंट्स ज्यादा होता है। जिसे रक्त वाहिकाओं और सेल्स को डैमेज से बचाने वाला माना जाता है। यह कोलेस्ट्रॉल और बीपी रेगुलेट करके दिल को हेल्दी रखने में मदद करता है। इसके लिए आप टमाटर, लाल शिमला मिर्च, चेरी, तरबूज, स्ट्रॉबेरी आदि खा सकते हैं।

ऑरेंज कलर फ्रूट: संतरी रंग बीटा कैरोटीन और दूसरे कैरोटेनॉइड्स की वजह से आता है। यह शरीर के अंदर विटामिन ए बन जाता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। यह आपकी आंख और स्किन के कामकाज को भी बेहतर बनाता है। इसे पाने के लिए गाजर, शकरकंद, कद्दू, संतरा और एप्रिकोट खा सकते हैं।

पीले फूड: पीले फल-सब्जी में विटामिन सी और फ्लेवोनोइड ज्यादा होते हैं। इन्हें पाचन और बॉडी टिश्यू की हेल्थ को सुधारने वाला माना जाता है। यह कोलेजन प्रोडक्शन और लो ग्रेड इंफ्लामेशन कम करने में मदद करते हैं। इन्हें आप पीली शिमला मिर्च, कॉर्न, अनानास, केला और नींबू से ले सकते हैं।

हरी सब्जियां और फल : हरे फूड शरीर की सेल्स के मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाते हैं। इसके साथ फोलेट, ग्लूकोसाइनोलेट्स और मैग्नीशियम मिलता है। यह शुगर मेंटेन करने, लिवर डिटॉक्स करने और सेल रिपेयर करने में मदद करता है। पालक, केल, ब्रोकली, मटर, हरी फली खाकर इन्हें पा सकते हैं।

नीले और बैंगनी: नीले फूड में एंथोसायनाइन होता है। जो ब्लड फ्लो और न्यूरोन के लिए अच्छे होते हैं। यह आपकी मेमोरी और कॉग्नीटिव फंक्शन सही रखते हैं। इन्हें ब्लूबेरी, काले अंगूर आदि से पा सकते हैं। वहीं बैंगनी फूड में एंथोसायनाइन बहुत ज्यादा होता है और साथ में रेस्वेराट्रोल भी होता है। यह सेल एजिंग को धीमा करते हैं। इन्हें बैंगन, बैंगनी पत्तागोभी, ब्लैक बेरी आदि से ले सकते हैं।

सुविचार

बड़ों का आशीर्वाद और दुआ हमेशा कवच का काम करती हैं।

-अज्ञात

निशाना

छाता जा रहा अंधेरा..!

कान्ति शुक्ला 'उर्मि'

तम के घनेरे बादलों में है किरन इक आस की।
मन लालसा बुझती अगर तो चाह क्यों हो प्यास की।
है राह जीवन की कठिन गति श्वास की टूटे नहीं
मंजिल मिलेगी एक दिन चिर कामना विश्वास की।
यदि स्वप्न नाता तोड़ते जब मीत भी मुख मोड़ते
तब बेवशी होती सघन तड़पन विकल संत्रास की।
कृषकाय काया झुर्रियां है पेट की ज्वाला प्रबल
श्रमसाध्य जीवन को नहीं चिंता किसी विन्यास की।
उर में भरे अंगार आहों में दहकती अग्नि है
संघर्षरत जो हैं अहर्निश सुधि कहाँ परिहास की।
मैं हूँ क्षुधा उस ज़िंदगी की क्रान्ति का संदेश जो
है आँख का काजल रहा बह क्या ख़बर मधुमास की।
छाता अँधेरा जा रहा जिनके हृदय निष्पंद में
उन शुष्क अधरों में जगा दो चेतना कुछ हास की।

नये साल की पूर्व संध्या पर प्रार्थना...

ध्रुव शुक्ल

कवि, कथाकार

प्रार्थना करता हूँ कि अमरीका और यूरोप के अंधेरों का सामना करने के लिए मेरा देश बीती सदियों के अपने अंधेरों में ओझल प्रकाश को फिर पहचान सके। मेरा देश सबके जीवन और विपुल साधनों की रक्षा करने के उपाय करने में समर्थ हो सके। वह अपने आत्मबल और निर्भय पुरुषार्थ से केवल मन पर ठहरी सभ्यता के अंधेरे के क्षेत्र को भी प्रकाशित कर सके।

प्रार्थना करता हूँ कि लोकतंत्र और मानवाधिकार की पैरवी करने वाली दुनिया की राजनीतिक शक्तियाँ अपने सामरिक और आर्थिक अपराधों पर पश्चाताप करने की भावना से भर उठें। वे युद्ध और आतंक की रचना करके पृथ्वी के साधनों को लूटकर अपना गुजारा चलाने की कुटिल नीतियों पर शर्मिन्दा हों और सह-अस्तित्व के मार्ग पर सबके साथ चल सकें। वे समझ सकें कि परस्पर आश्रित संसार का जीवन ताक़तवर प्रतिबंधों से नहीं, आपसी सहकार और मैत्री से चलता है।

प्रार्थना करता हूँ कि धर्म, मज़हब और रिलीजन में विभाजित दुनिया के लोग इनके सूक्ष्म भेदों को समझकर धरती पर एक ऐसी नागरिक संहिता पर विचार-विमर्श करने लगें जो उन्हें मतान्ध राष्ट्रीयता के पाखण्ड से मुक्त कर सके। सब उन वृक्षों की तरह पृथ्वी के नागरिक हो सकें जो अपनी जगह पर अडिग खड़े रहकर सबको छाया प्रदान करते हैं।

प्रार्थना करता हूँ कि वे मतान्ध सत्ताकामी लोग गहन पश्चाताप और शर्म से भर उठें जो सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में पीछे रह जाने वाले करोड़ों लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, समृद्धि और सुरक्षा देने की बुनियादी पहल नहीं करते हैं। इन बेबस जनों के नाम पर राजनीतिक सत्ता पाकर इन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। सभी राजनीतिक दलों के नेता जब एक-दूसरे को चुनाव में पराजित करके सत्ता पायें तो अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए यह कहना बंद कर दें कि जो हम कर रहे हैं आप भी वही करते थे। अगर ये जनता के चुने हुए लोग जनता की बात न मानें तो इन स्वार्थी नेताओं की पहचान करके और इन्हें त्यागकर देश के लोग अपने बीच से नया विकल्प खोजने और अपनी हालत बदलने के लिए व्याकुल हो उठें। प्रार्थना करता हूँ कि कामनाओं को भड़काते और तृष्णा को बढ़ाते बाज़ार के रेगिस्तान में मृग की तरह तृप्ति खोजते लोग अपने देश से बहुत दूर न निकल जायें। उन्हें अपना वह रास्ता याद रहे जिससे वे अपने घर लौट सकें।

दुनिया में मौत से मुनाफा कमाने वाली शक्तियाँ अपने पापों को स्वीकार करें और शोक मनायें कि युद्ध और लूट के ताने-बाने पर सबके जीवन के लिए कोई चादर नहीं बुनी जा सकती। सब मिलकर इस सोच में डूब जायें कि इस पृथ्वी पर सबको मिला हुआ जीवन शान्त और सहज-सुंदर रह सके। प्रार्थना करता हूँ कि पृथ्वी पर जल कभी न सूखे। ऋतुएं प्रकृति के उपकारों की तरह सबके जीवन में आती रहें। नदी-निर्झर जैसा बहता चला आ रहा विराट जीवन अपने सुखसागर की ओर यात्रा करता रहे। सब अपने जीवन के खारे जल से अपने हिस्से का नमक उठा सकें। किसी को ग़ुलामी स्वीकार न करना पड़े। टेक्नालाजी द्वारा निर्मित नकली मानव देह के आगे अपने ज्ञानात्मक संवेदन से भरी मानव देह जीवन्त बनी रहकर अपनी जिम्मेदारियाँ निभा सके। अन्याय के विरुद्ध सविनय अवज्ञा और असहयोग की भावना से भरा उसका आत्मबल कभी न टूटे। कोई आत्महत्या के लिए विवश न हो। लोग काल, कर्म और ईश्वर को दोष दिए बिना अपनी ख़ुदी को इतना बुलन्द कर सकें कि किसी को देर तक अपना ही इंतज़ार न करना पड़े।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अजब - गजब

महिला को बचाने रस्सियों के सहारे लटके कमांडो, लोगों की थमी साँसें

रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट की गलियों में लोगों की साँसें थम गई जब ऊंची बिल्डिंग से लटकते हुए कमांडो दिखाई दिए लटकते हुए नीचे यह एक महिला की जान बचाने के लिए चलाया गया बेहद खतरनाक और नाटकीय 'रेस्क्यू ऑपरेशन' था। एक महिला ने खुद को अपने ही घर में कैद कर लिया था। खबर थी कि महिला मानसिक रूप से काफी परेशान है और उसने घर के भीतर खुद को बैरिकेड्स में बंद कर लिया है। आपातकालीन सेवा 112 पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि अपार्टमेंट के अंदर मौजूद महिला काफी उत्तेजित है और वह खुद को चोट पहुंचा सकती है। स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारी जब मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फौरन 'स्पेशल एक्शन सर्विस' और बातचीत के लिए प्रशिक्षित लोगों की टीम को बुला लिया। महिला ने अंदर से दरवाजे को इस कदर जाम कर दिया था कि उसे तोड़ना मुमकिन नहीं था। ऐसे में पुलिस के पास केवल एक ही रास्ता बचा था, वो खिड़की के जरिए घर के अंदर दाखिल होना था। देखते ही देखते इमारत के चारों ओर भारी पुलिस बल और फायरफाइटर्स की गाड़ियां खड़ी हो गईं। बचाव कर्मियों (ऋह्यष्वद्ग ष्द्यद्बद्वड्ढद्गह्य) की एक टीम ने इमारत की छत पर अपना डेरा जमाया और रस्सियों का जाल बिछाया।

आसमान से रस्सियों के सहारे नीचे उतरते कमांडो को देखकर नीचे खड़े लोगों की सांसें अटक गईं। यह एक ऐसी स्थिति थी जहां एक छोटी सी चूक महिला या पुलिसकर्मी दोनों की जान ले सकती थी। पुलिस वाले लगातार बाहर से महिला को समझाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थी। ऊपर से लटकते हुए कमांडो ने बेहद तेजी और पेशेवर अंदाज में खिड़की के रास्ते घर के अंदर छलांग लगा दी। अंदर घुसते ही उन्होंने महिला को सुरक्षित तरीके से काबू में कर लिया, इससे पहले कि वह खुद को कोई चोट पहुंचा पाती। पुलिस की इस प्रोफेशनल कार्रवाई ने एक बड़ा हादसा होने से टाल दिया। महिला को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद उसे फौरन मेडिकल टीम के हवाले कर दिया गया. फिलहाल, महिला को एक विशेष चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां मनोचिकित्सक उसकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

न्यूज विंडो

घर में होना था दशगात्र, पांच शव पहुंच जाने से टूटा दुखों का पहाड़

कटनी। एनकेजे थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पड़रिया से अस्थी विसर्जन करने प्रयागराज जा रहा एक पटेल परिवार मैहर जिले में नेशनल हाइवे-30 पर गंभीर सड़क हादसे का शिकार हो गया। तेज रफ्तार कार ट्रक में जा घुसी और एक्सीडेंट में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक एनकेजे, बड़वारा व कुठला थाना क्षेत्र के हैं। हादसे में 8 लोगों को गंभीर चोट आई है, जिनका इलाज शहर के निजी अस्पताल में जारी है। जानकारी के अनुसार पड़रिया से धाखा बाई पटेल के पति की मौत हो गई थी। अस्थी विसर्जन करने के लिए परिवार के लोग 29 दिसंबर की रात कार क्रमांक एमपी 20 जेडवाय 2807 से रवाना हुए। देररात कार नेशनल हाइवे-30 मैहर जिला के ग्राम तिलोरा के पास पहुंचे, तभी आगे चल रहे ट्रक क्रमांक डीडी 01 जेड 9685 में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची। सभी घायलों को मैहर सिविल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। इस दौरान एक व्यक्ति की कटनी में, तीन की मैहर में व एक की जबलपुर में मौत हो गई है।

सीहोर जिले में नए साल में मिलेंगे '500 करोड़' के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट

सीहोर। नया साल 2026 कई सौगात लेकर आने वाला है। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और रोजगार के संसाधन पर नए साल में सरकार करीब 500 करोड़ रुपए खर्च करेगी। विकास के पहिया को गति मिलेगी। जिला स्तर पर विकास और निर्माण कार्य को समय सीमा में खत्म कराने के लिए डेडलाइन तक सोमवार को टीएल बैठक में अफसरों को निर्देश दिए कि निर्माण दी गई है। सीहोर कलेक्टर बालागुरु के ने सोमवार को टीएल बैठक में अफसरों को निर्देश दिए कि निर्माण और विकास कार्य समय पर पूर्ण होने चाहिए। जिन कार्य की गति धीमी है, उसे तेज कराया जाए और अफसर निरंतर मॉनीटरिंग करें। सीहोर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने बताया कि नगर पालिका नए साल में करीब 200 करोड़ रुपए के विकास कार्य की योजना पर काम कर रही है। सबसे बड़ा काम अमृत 2.0 में सीवरेज प्रोजेक्ट का है। इसके अलावा इछावर रोड पर 5 करोड़ रुपए की लागत से स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है।

ससुजारा बांध परियोजना की पाइप लाइन लीकेज से फसल बर्बाद

टीकमगढ़। बान सुजारा बांध परियोजना की अंडरग्राउंड पाइप लाइन में हुए बड़े लीकेज ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। बम्हारीकलां और निवोरा के बीच मुख्य नहर की लाइन जॉइंट से अचानक हुए लीकेज के कारण किसान मुकेश रजक सहित आसपास के किसानों की गेहूं की फ सल पूरी तरह नष्ट हो गई। किसानों के अनुसार सिंचाई के लिए बिछाई गई अंडर ग्राउंड पाइप लाइन खेत में टूटने से तेज दबाव के साथ पानी बहने लगा। पानी की रफ्तार इतनी अधिक थी कि सुबह के समय घना कोहरा और चारों ओर फैला पानी एक सा नजर आ रहा था। देखते ही देखते खेतों में नदी.नाले जैसे हालात बन गए और फ सल पानी में डूबकर बह गई। किसान मुकेश रजक ने बताया कि उनके करीब चार एकड़ में लगी गेहूं की फ सल पाइप लाइन लीकेज के कारण पूरी तरह खराब हो गई। जिससे उन्हें हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। किसानों का आरोप है कि घटना की सूचना समय रहते विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को दी गई, लेकिन इसके बावजूद न तो पानी की सप्लाई बंद की गई और न ही पाइपलाइन की मरम्मत के कोई प्रयास किए गए। किसानों ने बताया कि नहर पहले ही देरी से चालू की गई थी। मजबूरी में किसानों ने कुएं और बोर से सिंचाई कर फ सल तैयार कर ली थी। इसके बाद जब नहर में दबाव के साथ पानी छोड़ा गया तो पहले से खराब जॉइंट ने बड़ा रूप ले लिया और लीकेज से भारी तबाही मच गई। घटना से आक्रोशित किसानों ने विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए क्षतिपूर्ति और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

6 लेन हाईवे के लिए संतों ने हटाया बूम बैरियर, धरने पर रामधुन

भिंड। नेशनल हाईवे 719 (भिण्ड-ग्वालियर) को 6 लेन बनवाने की मांग को लेकर डेढ़ साल से आंदोलन कर रहे संतों का धैर्य जवाब दे गया। सोमवार को उन्होंने मालनपुर के पास बरेठा टोल प्लाजा का बूम बैरियर उठाकर तीन घंटे तक वाहनों की मुफ्त आवाजाही करवाई। इस दौरान टोल के बगल में ही टैंट लगाकर संतों ने धरना दिया। मप्र विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे भी इस धरने में शामिल हुए।नेशनल हाईवे पर आए दिन हो रहे सडक़ हादसों में हर साल सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। जिससे क्षुब्ध होकर संतों ने वर्ष 2024 में 30 सितंबर को कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना दिया था। लेकिन प्रशासन ने छह माह में काम शुरू करवाने का आश्वासन देकर आंदोलन खत्म करवा दिया था। जब प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी तो संतों ने खंडा रोड पर फिर अनशन आंदोलन शुरू कर दिया था। इस आंदोलन को भी छह माह समय देकर नेताओं ने खत्म करवा दिया था। बाद में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं नितिन गडकरी से भेंट में भी छह माह में निर्माण शुरू करवाने का आश्वासन दिया था। लेकिन जब काम नहीं हुआ तो नवंबर और फिर दिसंबर में आंदोलन तय हुआ। हाईवे निर्माण के लिए संतों ने टोल-फ्री करने के साथ ही धरना स्थल पर रामधुन भी की। यहां फिर अधिकारी पहुंचे और अगले सात माह में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरा कर काम शुरू करने का आश्वासन दिया।

वर्षों से अवैध वसूली, 103 दुकानदारों को नोटिस जारी, जल्द होगी कार्रवाई

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

नगर परिषद खरगापुर चौराहा स्थित हरिदास मंदिर की छह एकड़ के करीब करोडों की जमीन पर वर्षों से सैकड़ों लोगों द्वारा अवैध कब्जा किया गया है। मंदिर की भूमि पर दुकानों, मकानों, छपरियों और गुमटियों का निर्माण कर लिया गया है। वहीं असामाजिक तत्वों द्वारा किराए के नाम पर लगातार अवैध वसूली किए जाने का भी मामला सामने आया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने मंदिर के पुजारी और तहसीलदार के साथ बैठक कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद तहसील प्रशासन द्वारा 103 दुकानदारों सहित अन्य अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए है। कुछ लोगों द्वारा अपने जवाब भी प्रस्तुत किए जा चुके है।

जानकारी के अनुसार खरगापुर चौराहा स्थित हरिदास मंदिर के अध्यक्ष स्वयं कलेक्टर होते है। मंदिर की जमीन सडक़ के दोनों ओर लगभग छह

एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली हुई है। जिस पर अवैध रूप से निर्माण किया गया है। कई स्थानों पर छपरियां और गुमटियां रखकर दुकानें संचालित की जा रही है। जिनसे असामाजिक तत्व अवैध वसूली कर रहे है और अतिक्रमण को सामाजिक समर्थन का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। बताया गया कि पहले भी प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बैठक में अतिक्रमण हटाकर नियमानुसार दुकान निर्माण कराने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन कुछ तत्वों द्वारा दुकानदारों को भ्रमित कर कार्रवाई में बाधा डाली जा रही है। कार्रवाई रुकवाने के लिए चंदा एकत्र कर तथाकथित ठेकेदार कलेक्टर के पास भी पहुंचे है।

मंदिर की जमीन पर अवैध रूप से दुकानें संचालित की जा रही है और किराए के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। जबकि कलेक्टर द्वारा जमीन खाली कराने के निर्देश दिए जा चुके है।

हरिदास मंदिर की जमीन पर अतिक्रमण करने वाले 103 लोगों को चिन्हित कर नोटिस जारी किए गए है। कुछ लोगों के जवाब प्राप्त हो चुके है। जल्द ही नियमानुसार कार्रवाई कर मंदिर की जमीन को मुक्त कराया जाएगा और नियमों के अनुसार निर्माण कार्य कराया जाएगा।

धरने पर बैठे उपभोक्ताओं ने बिजली कंपनी पर दोहरे मापदंड का लगाया आरोप

नेताओं का लाखों का बिल पेंडिंग, फिर भी नहीं काटी बिजली, लोगों का गुस्सा फूटा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के सामूहिक रूप से कनेक्शन काटने के विरोध में उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। 29 दिसंबर को विभाग ने ऑनलाइन प्रणाली के जरिए एक साथ 200 से अधिक कनेक्शन काट दिए, जिससे आक्रोशित नागरिकों ने मंगलवार शाम 4 बजे बिजली कंपनी के मुख्य द्वार पर धरना शुरू कर दिया। चौंका देने वाली बात तो तब सामने आई जब सिंधी कॉलोनी की बुजुर्ग महिला आशा देवी ने बताया कि उन्होंने अपनी पायल गिरवी रखकर एक हजार रुपये का बिल जमा किया, इसके बावजूद उनके घर की सप्लाई बहाल नहीं की गई।

विदिशा के गंजबासौदा में धरने पर बैठे उपभोक्ताओं का कहना है कि बिना नोटिस दिए कनेक्शन काटना नियम विरुद्ध है। उन्होंने मांग की कि तत्काल कनेक्शन जोड़े जाएं और बकाया राशि जमा करने के लिए कम से कम 8 दिन का समय दिया जाए। मौके पर पहुंचे सहायक अभियंता (एई) सन्त्री वर्गीस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। उनका तर्क था कि

भाजपा पार्षदों के घर रौशन, केवल गरीबों की काटी लाइट

धरने पर बैठे उपभोक्ता अनिल पाठक का आरोप था कि कंपनी के कर्मचारी केवल गरीब उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट रहे हैं। भाजपा पार्षदों के कनेक्शन नहीं काट रहे हैं। भाजपा पार्षद का बिल एक लाख के ऊपर है लेकिन फिर भी केवल सात हजार रूपये के चलते मेरा कनेक्शन काट दिया और भाजपा पार्षद का कनेक्शन नहीं काटा गया। वहीं धरने पर बैठे युवक कांग्रेस के अध्यक्ष आकाश शर्मा का कहना है कि बिजली कंपनी पहले उपभोक्ताओं को नोटिस जारी करे, सात दिन का समय दे, कनेक्शन काटे हमे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन यदि बगैर सूचना के कनेक्शन काटेंगे तो हम विरोध करेंगे। वहीं विद्युत वितरण कंपनी के एई सन्त्री वर्गीस का कहना है कि बकायादारों के कनेक्शन काटे गए हैं।

उपभोक्ता बिल जमा कर दें, तो कनेक्शन तुरंत जोड़ दिए जाएंगे। वहीं, उपभोक्ता इस बात पर अड़े रहे कि पहले बिजली चालू की जाए और समय दिया जाए। दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण काफी देर तक गतिरोध बना रहा और उपभोक्ताओं का धरना जारी रहा।

यह वह उपभोक्ता हैं जिनके घरों पर विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं और स्मार्ट मीटर धारक उपभोक्ताओं के ही कनेक्शन एक क्लिक के माध्यम से काटे गए हैं। मीटर में लाइट आ रही हैं जिससे मीटर चालू नजर आता है लेकिन उपभोक्ता की बिजली नहीं जल रही है। कई उपभोक्ताओं ने ती लाइट फिटिंग करने वाले कर्मचारी को बुलाकर अपने घरों की लाइन चेक कराई हैं क्योंकि मीटर में लाइट आने के कारण उन्हें तो यह लग रहा था कि मीटर तक लाइट आ रही है और घर की सप्लाई में फाल्ट आने के कारण कनेक्शन काटा गया है। लेकिन जब आसपास पता किया तो अन्य उपभोक्ताओं का भी यही हाल था. तब जाकर यह ज्ञात हुआ कि विद्युत वितरण कंपनी ने एक क्लिक के माध्यम से उपभोक्ताओं की सप्लाई बंद कर दी है।

शुद्ध पेयजल आपूर्ति मामला

एनजीटी की ननि व प्रदूषण नियंत्रण मंडल को लगाई फटकार

रतलाम। दोपहर मेट्रो

शहर में सीवर की गंदगी युक्त पेयजल आपूर्ति पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने नगर निगम रतलाम एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल की कार्यप्रणाली पर गंभीर असंतोष व्यक्त कर विस्तृत एवं तथ्यपरक जानकारी नहीं देने पर कडी फटकार लगाई है। शहर के वार्ड नंबर 24 के पार्षद सलीम मोहम्मद बागवान की एनजीटी में पिटीशन क्रमांक 09/2025 की सुनवाई के दौरान अंतरीम आदेश में नगर निगम रतलाम को 3 माह में नया शपथ पत्र देने के आदेश दिए है।

एनजीटी द्वारा सुनवाई के दौरान निम्न बिंदुओं पर नगर निगम पर सख्त नाराजगी जाहिर की गई। ट्रिब्यूनल ने पाया कि अपने पूर्व आदेश दिनांक 2 अगस्त 2024 के बावजूद नगर निगम यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि शहर में वास्तव में पीने योग्य पानी की आपूर्ति हो रही है या नहीं। नगर निगम द्वारा प्रस्तुत शपथपत्र में केवल यह उल्लेख है कि पाइपलाइन का 58त्न कार्य पूर्ण हुआ है, लेकिन पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति, पाइपलाइन बिछाने का पूर्ण विवरण, कार्य पूर्ण करने की समय-सीमा का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। इस पर एनजीटी ने नगर निगम को निर्देश दिया है कि वह अधिकतम तीन माह में अतिरिक्त शपथपत्र प्रस्तुत करे । प्रदूषण नियंत्रण मंडल के संबंध में ट्रिब्यूनल ने कहा कि निगरानी संबंधी निर्देशों का अक्षरशः पालन नहीं किया गया, निरीक्षण की तिथियां नहीं बताई, निरीक्षण रिपोर्ट रिकॉर्ड पर नहीं रखी, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि रिपोर्ट किन अधिकारियों को भेजी गई। इस पर प्रदूषण नियंत्रण मंडल को दो सप्ताह के भीतर विस्तृत अतिरिक्त शपथपत्र दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं ।

विद्यार्थियों ने जीते 11 पदक

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

रेडक्रॉस सोसायटी राज्य शाखा द्वारा गुना में आयोजित सद्भावना शिविर में नर्मदापुरम जिले के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश स्तर पर पहला स्थान हासिल किया। जिला रेडक्रॉस सोसायटी से शांतिनिकेतन स्कूल के 12 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक जीते, जिसमें 5 प्रथम पुरस्कार शामिल हैं। यह शिविर 12 से 16 दिसंबर तक आयोजित हुआ था, जिसमें प्रदेश के 28 जिलों ने भाग लिया। कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में ये विद्यार्थी नर्मदापुरम संभाग का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे थे। शिविर में संगीत, नृत्य, सामूहिक लोकगीत-लोकनृत्य, फैंसी ड्रेस, निबंध लेखन और वादन जैसी श्रेणियों में उन्होंने धूम मचाई।कलेक्टर सुश्री मीना ने शिविर से लौटे विद्यार्थियों से आत्मीय भेंट की और उनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, ÷सभी बच्चे अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। उनसे मिलकर बहुत प्रसन्नता हो रही है।÷ इस दौरान बच्चों ने कलेक्टर को शिविर में जीते लोकगीत की प्रस्तुति भी दी। काउंसलर अशोक कुमार सोनी, नीति गुप्ता और विनोद मालवीय की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।कलेक्टर ने विद्यार्थियों और उनके गुरुजनों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छतरी चौराहे पर हुए विवाद की निष्पक्ष जांच की मांग

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर के छतरी चौराहे पर मीडियाकर्मी पर हुए हमले के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग पत्रकार महासंघ ने मुख्यमंत्री से की है। रविवार रात में शहर के छतरी नाका चौराहे पर दो पक्षों में जमकर डंडे चले थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत किया और 2 गंभीर घायलों को लेकर थाने पहुंची। सिरोंज अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद मीडियाकर्मी प्रमोद रघुवंशी और भाजपा नेता मानसिंह रघुवंशी को गंभीर अवस्था में विदिशा रेफर किया गया है। दोनों ही समीप स्थित बगरोदा गांव के रहने वाले हैं तथा दोनों के बीच पुरानी रंजीश चल रही है। मामले में पुलिस ने

दोनों ही पक्षों पर एक-दूसरे पर हत्या का प्रयास सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मंगलवार को इस मामले को लेकर पत्रकार महासंघ ने भी एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। जिसमें पत्रकारों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग मुख्यमंत्री से की है। ज्ञापन सौंपने वालों में रोहिताश्व शर्मा, नीरज शर्मा, रूपेश यादव, सईद खान, सुरेन्द्र रघुवंशी, मुकेश रघुवंशी, कृष्णचंद पटेल, शवम पाटीदार तथा आदेश बड़सरे आदि शामिल हैं।

मेट्रो एंकर गुना के बाद पिपरिया भी पहुंची सेमीफाइनल में, तीसरी टीम आज तय होगी

पिपरिया ने जमशेदपुर को और गैरतगंज ने सिरोंज को हराया, फाइनल 4 को

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा स्मृति फुटबाल प्रतियोगिता में जमशेदपुर को पिपरिया ने हरा का सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सोमवार को धमाकेदार प्रदर्शन करने वाली जमशेदपुर की टीम पिपरिया के सामने कमजोर साबित हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए पिपरिया ने देव और आदर्श के बीच हुई 66 रन की पार्टनरशिप की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट पर 142 रन का स्कोर खड़ा किया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी जमशेदपुर के सलामी बल्लेबाजों ने 26 रन की पार्टनरशिप कर मजबूत शुरूआत दी। इसके बाद नियमित अंतराल के बाद विकेट गिरते गए।

पिपरिया के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी कर मैच में मजबूत पकड़ बनाई। जमशेदपुर के बल्लेबाजों को बड़े शॉट लगाने का मौका नहीं दिया। इस कसी हुई गेंदबाजी के चलते जमशेदपुर की पूरी टीम 18.2 ओवर में 129 रन बनाकर ऑलआउट हो गया। मुकाबला पिपरिया ने 13 रन से जीत कर सेमीफाइनल में अपना अपना स्थान पक्का कर लिया।

दोनों ट्राफी का सिरोंज से बाहर जाना तय

प्रतियोगिता के विजेता को ट्राफी के साथ ही 1 लाख रूपए और उपविजेता को ट्राफी और 50 हजार रूपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सिरोंज की दोनों ही टीमे अपने नाक आउट दौर में ही बाहर हो गई है। इससे यह तय हो गया है कि दोनों ही ट्राफी सिरोंज से बाहर ही जाएंगी। सेमीफाइनल में गुना और पिपरिया की टीम पहुंच गई हैं। तीसरी टीम बुधवार को तय हो जाएगी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 4 जनवरी को होगा।

दूसरा मैच गैरतगंज और एसबीआई सिरोंज के बीच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए गैरतंगज ने 15 ओवर में 10 विकेट खोकर 116 रन बनाए। टीम के 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। एसबीआई सिरोंज के गेंदबाज विशाल काहर ने बेहद किफायती गेंदबाजी कर 4 ओवर में 13 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही वे टूर्नामेंट में एक पारी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी भी बन गए। 117 का टारगेट सिरोंज के सामने ज्यादा बड़ा नहीं दिखाई दे रहा था लेकिन गैरतगंज के गेंदबाजों के सामने एसबीआई सिरोंज ने घुटने टेक दिए। पूरी टीम 14.1 ओवर में 68 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। एसबीआई के केवल 3 खिलाड़ी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। गैरतगंज ने 48 रन के बड़े अंतर से इस मैच को जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सांदीपनि स्कूल के मैदान में हो रहे टूर्नामेंट में बुधवार को भी दो मैच होंगे। पहला मैच नरसिंगपुर और शिवपुरी के बीच होगा। इसके बाद दूसरा मैच प्रतियोगिता का तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला होगा। जिसमें गैरतगंज की टीम दिन के पहले मैच के विजेता के सामने मैदान में उतरेगी।

न्यूज विंडो

नाव संचालन की मांग को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

महेश्वर। नगर में नाव संचालन को लेकर कहार समाज के बेरोजगार युवाओं ने अपनी मांगों को लेकर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में तहसीलदार कैलाश सस्तिया को आवेदन सौंपा। आवेदन के माध्यम से कहार समाज के युवाओं ने नर्मदा नदी में पर्यटकों के लिए नाव संचालन की अनुमति दिए जाने की मांग की है। आवेदन में महेन्द्र पिता श्याम वर्मा सहित समाज के युवाओं ने बताया कि महेश्वर में नर्मदा नदी में पर्यटकों के लिए नाव संचालन के लाइसेंस 1 अप्रैल 2022 को समाप्त हो चुके हैं। इसके बावजूद वर्तमान में नर्मदा नदी में पर्यटकों को नाव विहार कराया जा रहा है। विगत तीन वर्षों से यह कार्य केवट समाज एवं कहार समाज द्वारा किया जा रहा है। नाव संचालन ही समाज के कई परिवारों की आजीविका का एकमात्र साधन है, इसके अलावा उनके पास रोजगार का कोई अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं है। कहार समाज के युवाओं ने आवेदन में यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में नगर परिषद महेश्वर एवं पुलिस थाना महेश्वर द्वारा बिना ठोस कारण के नाव संचालन को लेकर सूचना पत्र जारी किए जा रहे हैं, जिससे समाज के लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उनका कहना है कि वर्तमान में केवट समाज की समितियों की नावें तो संचालित हो रही हैं, लेकिन मांझी कहार समाज की नावों को रोक दिया गया है, जिससे उनके व्यवसाय और परिवार की आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है। समाज के युवाओं ने मांग की कि यदि नियमों के अनुसार नाव संचालन पर रोक लगाई जानी है तो यह रोक सभी समाजों की नावों पर समान रूप से लागू की जाए। वहीं यदि नाव संचालन की अनुमति दी जाती है तो सभी समाजों को समान अवसर देते हुए नाव संचालन की अनुमति प्रदान की जाए।

नियमों को ताक पर रखकर हो रहा जिले में रेत का खनन

महानदी व उमराड़ नदी का सीना चीरा मौत की खाई में तब्दील जीवदायनी

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले में रेत का ठेका अक्टूबर माह से बंद हो चुका है। रायल्टी को लेकर ठेका कंपनी और सरकार के बीच तकरार का कोई हल नहीं निकला है। बंद खदानों से तीन माह से बेखौफ खनन जारी रहा है। अब जब खनन पर रोक लगी है तो जीवनदायनी कहीं जाने वाली जिले की दोनों प्रमुख नदी महानदी व उमराड़ नदी में मौत की खाइयां साफ नजर आने लगी हैं। नदियों के घाव साफ बयां कर रहे हैं कि किस तरह से 1990 से लेकर 2025 तक खनन कारोबारियों व माफियाओं ने कैसे नदियों के सीने व कोख को छलनी-छलनी किया है। कहीं पर नदी का बहाव रोककर तो कहीं पर रैंप बनाकर तो कहीं पर सडक़ डालकर नदियों से रेत निकालने का काम चल रहा है। निगरानी सिस्टम फेल होने व सांठगांठ की वजह से अबतक रेत निकालने का ठेका लेने वाली कंपनियों ने मनमाफिक रेत निकालने व बेचने का काम किया है। जिले के बड़वारा, बरही व ढीमरखेड़ा तहसील क्षेत्र से होकर निकलने वाली महानदी व उमराड़ नदी में रेत की खदानें संचालित हो रही हैं। जिले में माइनिंग कार्पोरेशन के द्वारा 49 खदानें स्वीकृत की गई हैं, जिनसे रेत निकाली जा रही है। पूर्व में के वर्षों में इन्हीं खदानों में रेत का मनमाफिक खनन हो रहा है। 1990 से रेत निकासी का काम चल रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि आजतक मैदानी स्तर पर नियमों का पालन कराने जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया।

वर्तमान में खनन बंद होने का दावा

खनिज विभाग व जिला प्रशासन के दावों की बात की जाए तो रेत खनन का काम बंद है। धनलक्ष्मी प्रालि को 2023 में ठेका दिया गया था। कंपनी ने 65 करोड़ रुपए में 49 खदानों से रेत निकासी व विक्रय का ठेका लिया है। कंपनी ने अक्टूबर माह तक खदानें चलाईं, उसके पहले ही खदानें सरेंडर कर दीं। जिले में संचालित सभी 49 रेत खदानें सरेंडर कर दी थीं। कंपनी का तर्क था कि कॉस्टिंग के अनुसार रेत की गुणवत्ता नहीं और ना ही मात्रा मिल रही है। यह हावाला देकर टेंडर सरेंडर कर दिया गया है। बरही में दो, बड़वारा में तीन स्थान पर भंडारण की अनुमति ली गई थी, वहां से रेत बेचने का दावा किया गया है।

चंदना गांव में जन चौपाल

ग्रामीणों की समस्याओं का जल्द करें निराकरण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर तेंदूखेड़ा ब्लॉक के चंदना गांव पहुंचे और रात्रि चौपाल लगाई। इसमें आसपास के सैकड़ों ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कलेक्टर ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरव गंधर्व जनपद सीईओ मनीष बागरी तहसीलदार विवेक व्यास नायब तहसीलदार चंदशेखर शिल्पी सहायक यंत्री एस के राज उपयंत्री खेम सींग मरावी आवाज प्रभारी रोहित यादव सरपंच सचिव सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर चंदना गांव में जन चौपाल के लिए पहुंचे थे। हर्रई और आसपास के आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीण अपनी मूलभूत समस्याएं लेकर आए। इनमें सड़क, पानी की कमी और छात्रों के लिए स्कूल आवागमन जैसी दिक्कतें शामिल थीं

कलेक्टर ने सभी ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत फोन किया। अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान के संबंध में जानकारी दी और जल्द निराकरण का आश्वासन दिया। देर रात तक चली चौपाल में ग्रामीणों की काफी भीड़ दिखाई दी।

ज्वेलरी दुकान पर जीएसटी का छापा दस्तावेज और स्टॉक खंगाल रही टीम

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

शहर में स्थित चिराग गहना नामक ज्वेलरी शॉप पर जीएसटी विभाग की टीम ने छापेमारी की। रिकॉर्ड में जीएसटी की संभावित हेराफेरी की आशंका के चलते ये कार्रवाई की गई है। स्टेट टैक्स ऑफिसर, एंटी एवीजन ब्यूरो सतना सोमेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम द्वारा प्रतिष्ठान के दस्तावेजों और स्टॉक का गहन परीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई जीएसटी अधिनियम की धारा 57(2) के तहत की गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल जांच प्रारंभिक स्तर पर है।

दस्तावेजों के सत्यापन और स्टॉक मिलान के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा।

रोड निर्माण की स्वीकृति निरस्त, गुस्से में ग्रामीण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नौरादेही विस्थापन संघर्ष समिति के तत्वाधान में भैंसा, फुलर, मझगुवा, सरसेला एवं माधौ की संयुक्त बैठक का आयोजन ग्राम भैंसा में किया गया। बैठक में संलग्न 12 ग्रामों के लोगों ने शामिल होकर प्रस्ताव लाया गया कि चार पंचायतों के 12 ग्रामों को कोर जोन क्षेत्र से हटकर पुनः बफर जोन में शामिल किया जाए। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर कार्यालय प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा विकास कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी की गई है। विशेष सहायक मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास मध्य प्रदेश शासन के कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दमोह में उपरोक्त आदेश की तालिका के सरल क्रमांक 18 पर अंकित निम्नानुसार कार्यों की प्रशासकीय 61 लाख स्वीकृति निरस्त होने पर ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। नौरादेही विस्थापन संघर्ष समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सलाहकार श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया कि उच्च न्यायालय के स्टे होने पर स्वीकृति निरस्त नहीं करनी चाहिए। रोड निर्माण कार्य किया जावे और पारित प्रस्ताव में चार पंचायतों के संलग्न 12 ग्रामों को कोर जोन क्षेत्र से बफर जोन क्षेत्र में शामिल किया जाए। इससे शासन प्रशासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं अन्य क्षेत्रों की भांति इस क्षेत्र में भी संचालित की जावें इस अवसर पर मानसीग यादव, कुंजबिहारी विश्वकर्मा, दिनेश खरे सरपंच,जगन सरपंच,वसोरी पटेल,निजाम, पंचम सींग, कैलाश, ववलू,टेकसीग,परम सींग, नंदलाल, नन्हे भाई, जीवन,मन्नू सींग सहित वड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

अनूपपुर में जमीन माफिया मॉडल

न्यू जोन ने बेची पूरी अधिग्रहित जमीन, बच्चों का भविष्य दांव पर

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम रक्सा-कोलमी क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। किसानों का आरोप है कि न्यू जोन कंपनी ने उनसे जमीन पावर प्लांट स्थापित करने के नाम पर अधिग्रहण की, लेकिन पूरी प्रक्रिया अपने हाथ में रखने के बाद वही जमीन आगे चलकर टोरंटो कंपनी को बेच दी गई। इस पूरे सौदे में किसानों के साथ छल और उनके बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2010 से अनूपपुर जिला के ग्राम रक्सा कोलमी में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही थी। कुल 1000 हेक्टेयर (लगभग 2500 एकड़) जमीन किसानों से ली जानी थी, जिसमें से करीब 950 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण पूरा हो चुका है। शेष 50 हेक्टेयर जमीन की रजिस्ट्री बीते करीब छह महीनों से रुकी हुई बताई जा रही है, जिससे किसानों में असमंजस और नाराजगी दोनों बढ़ गई हैं।

किसानों का कहना है कि जमीन खरीदते समय कंपनी ने न केवल पावर प्लांट की स्थापना का भरोसा दिलाया, बल्कि परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का वादा भी किया था। बताया गया कि यह पावर प्लांट परियोजना करीब 23,700 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होनी थी, जिससे क्षेत्र में रोजगार और विकास की उम्मीद जगी थी। लेकिन बाद में जब वही जमीन दूसरी कंपनी को बेच दी गई, तो किसानों को लगा कि उनके साथ धोखा हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगभग एक साल पहले टोरंटो कंपनी अनूपपुर में आई और इसके बाद पूरी अधिग्रहित जमीन उसे सौंप दी गई। इस सौदे से न्यू जोन कंपनी ने भारी मुनाफा कमाया, लेकिन जिन किसानों ने अपनी पुश्तैनी जमीन दी, उनके बच्चों के रोजगार और भविष्य को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। सबसे बड़ी चिंता यह है कि टोरंटो कंपनी ने किसानों से किसी भी प्रकार की नई लिखापढ़ी या समझौता नहीं किया है, जिससे नौकरी और अन्य वादों पर अनिश्चितता बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि वे सीधे तौर पर किसी कंपनी के विरोध में नहीं हैं, लेकिन पारदर्शिता और भरोसे के साथ किए गए वादों को पूरा किया जाना चाहिए। उनका यह भी आरोप है कि जमीन का सौदा दो अलग-अलग कंपनियों के बीच हुआ, जबकि नुकसान केवल किसानों को उठाना पड़ रहा है। कई परिवारों का कहना है कि खेती छिन जाने के बाद रोजगार का जो सहारा दिखाया गया था, वह भी अब हाथ से जाता दिख रहा है। मामले ने अब प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान खींचा है। किसानों की मांग है कि या तो उन्हें वादा किए अनुसार रोजगार दिया जाए, या फिर जमीन के सौदे और मुआवजे की पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए। फिलहाल, रक्सा-कोलमी के किसानों में आक्रोश है और वे भविष्य को लेकर गहरी चिंता में हैं।

खुलासा: गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने वाला ही निकला हत्या का मुख्य आरोपी

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

पुरानी रंजिश के चलते हुई अविनाश शर्मा की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने वाले नीरज सेन की मदद से मुख्य आरोपी अमित जाट उर्फ बंटी फौजी ने क़त्ल की पूरी घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए अविनाश की गोली मारकर हत्या की गई है। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों में से छह को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक फरार है।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि नर्मदापुरम निवासी अविनाश शर्मा पिता वीरभान शर्मा की गुमशुदगी की रिपोर्ट 26 दिसंबर को सतलापुर थाने में दर्ज की गई थी। तीन दिन बाद सोमवार को उनका शव शाहगंज के दबोटा घाट में मिला। सतलापुर और मंडीदीप पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच पड़ताल कर घटना की गुत्थी सुलझाई। पता चला कि 26 दिसंबर को सतलापुर क्षेत्र के नीरज सेन के खेत में शराब पार्टी का आयोजन किया गया था। इसमें नीरज सेन, मुनीम रवि अवस्थी और राहुल साहू के अलावा मृतक अविनाश शर्मा के अलावा मुख्य आरोपी अमित जाट उर्फ बंटी फौजी व नीरज मीणा शामिल थे। पुरानी रंजिश के चलते बंटी फौजी ने अविनाश की आंख और पेट में अवैध पिस्टल से दो गोलियां मारीं, वहीं एक गोली नीरज मीणा ने मारी थी। फौजी को शक था कि करीब 20 दिन पहले बबाई स्थित एक मछली फार्म में अविनाश के लोगों फायरिंग की थी, जिसका बदला लेने के लिए यह हत्या की गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी बंटी फौजी सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी नीरज मीना फरार बताया जा रहा है। हत्या में इस्तेमाल हथियार और वाहन भी जब्त कर लिए गए हैं। एसपी आशुतोष गुप्ता ने मात्र 48 घंटे में घटना सुलझाने वाली टीम को 10 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है। मामले में आगे की जांच जारी है।

दुकान से रुपए की चोरी करने वाले आरोपियों को किया गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा पुलिस के द्वारा दो चोरों को पकड़कर चोरी की गई राशि को जप्त किया साथ ही दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। ज्ञात हो कि शनिवार को देवेन्द्र पिता मुलामचंद सिंघई 62 निवासी वार्ड 8 तेन्दूखेड़ा ने पुलिस थाना में आवेदन देकर बताया कि 23 दिसंबर को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा दुकान की ड्राज में रखे बिक्री के पैसों को चोरी कर लिया हैं। थाना तेंदूखेडा में प्रकरण कायम किया गया। चोरी के प्रकरण के दो आरोपी अरविंद पिता रज्जू सींग लोधी 18 निवासी ग्राम जामुनखेड़ा, राजा पिता कोमल सींग प्रधान 19 निवासी ग्राम जामुनखेड़ा को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया गया एवं आरोपी से चोरी किए गए 5 हजार 100 रुपए को जप्त कर न्यायालय पेश किया गया। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी तेंदूखेडा निरीक्षक रावेन्द्र सिंह बागरी, सउनि गजराज सिंह, प्रआर बृजेश तिवारी, सालिम खान, रविचंद्र सेन, आर. नीरज, विशाल, शैलेन्द्र, रणधीर, राममिलन का विशेष योगदान रहा।

मेट्रो एंकर

आईपीएस स्पोर्ट्स मीट का हुआ समापन

विद्यार्थियों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, किया पुरस्कृत

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले की प्रतिष्ठित संस्थान आईपीएस इंटरनेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल उमरिया में आज स्पोर्ट्स मीट का समापन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, इस समापन कार्यक्रम में संतोष गुप्ता, राजेश शर्मा, नियाज अहमद सिद्दीकी, प्राचार्य मॉडल कॉलेज, प्रभात रंजन वर्मा प्रशिक्षण अधिकारी आईटीआई, मोहम्मद असलम हिंदू मुस्लिम एकता मंच संस्थापक, रामायणवती कोल पार्षद व उमेश कोल कार्यक्रम में उपस्थित थे। सर्वप्रथम मां सरस्वती की छायाचित्र में पुष्प अर्पित कर प्रोग्राम प्रारंभ किया गया। स्पोर्ट्स मीट के समापन के लिए बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बच्चों ने खूब ताली बटोरी। तत्पश्चात स्पोर्ट्स मीट का पुरस्कार वितरण प्रारंभ किया गया। जिसमें आईपीएस में आए अतिथियों द्वारा बच्चों को गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल, ब्राउन मेडल, तथा ट्रॉफी से बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

इंजीनियर वसीम अकरम ने बताया कि इस स्पोर्ट्स मीट में हमने इंडोर और आउटडोर हर प्रकार के गेम सम्मिलित किए थे, जैसे कबड्डी, खो खो, बैडमिंटन, क्रिकेट, स्मॉल रेस, लॉन्ग रेस, थ्री लैग रेस, बैलून रेस, जंपिंग, चेयर रेस, रास्सा खींच आदि खेल सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आज उन्हें फर्स्ट, सेकंड, थर्ड रैंक से सम्मानित किया जा रहा है।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में बताया कि आईपीएस स्कूल जिले में संचालित जिसमें एकमात्र यूसीमास अबेकस मस्तिष्क विकास की पढ़ाई संचालित है, आईपीएस स्कूल में गुणवत्ता शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक तथा मानसिक शिक्षा का विशेष ध्यान दिया जाता है। आईपीएस स्कूल इतने कम समय में अपने स्कूल के संपूर्ण बच्चों को बहुत ही अच्छी शिक्षा दे रही है। आईपीएस स्पोर्ट्स मीट में जीते हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं। प्राचार्य इंजीनियर श्रीमती आरजू खान ने अपने उद्बोधन में बताया आईपीएस स्पोर्ट मीट तीन दिवसीय था। जिसमें बच्चों की हर रुचि का स्पोर्ट सम्मिलित किया गया था। आईपीएस में चार हाउस के बीच रोमांचक हर प्रकार के मैच कराए गए, जिसमें शिवाजी हाउस फर्स्ट रैंक, कलाम हाउस सेकंड रैंक, गांधी हाउस थर्ड रैंक, विवेकानंद हाउस फोर्थ रैंक अर्जित किया। सभी विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

टी-20 क्रिकेट में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

छोटे फार्मेट में में सर्वाधिक विकेट लेने वाली बनीं गेंदबाज, आस्ट्रेलिया की मेगन को छोड़ा पीछे

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी

भारतीय महिला टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ पांचवें टी20 मैच के दौरान इतिहास रच दिया है। दीप्ति शर्मा महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। दीप्ति ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट को पीछे छोड़ दिया है। दीप्ति के टी20 में अब 133 मैचों में 152 विकेट हो गए हैं।

निलाक्षिका बनीं दीप्ति का 152वां शिकार- दीप्ति ने पांचवें टी20 मैच में सिर्फ एक ही विकेट लिया, लेकिन ये एक विकेट उन्हें उपलब्धि हासिल कराने के लिए काफी था। दीप्ति ने निलाक्षिका सिल्वा को आउट किया जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनका 152वां शिकार बनीं। दीप्ति इसके साथ ही महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। दीप्ति ने पांचवें टी20 में चार ओवर में 28 रन देकर एक विकेट लिया। दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार उपलब्धि दर्ज कर ली थी। दीप्ति महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट पूरे करने वाली पहली भारतीय और ओवरऑल कुल दूसरे खिलाड़ी बन गई थीं। दीप्ति से पहले ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। दीप्ति ने अपना शानदार प्रदर्शन पूरे सीरीज में जारी रखा और साल का अंत इतिहास रचते हुए किया।

पांच मैचों की टी20 सीरीज को भारत ने 5-0 से किया अपने नाम

मैच की बात करें तो भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पांचवां टी20 मुकाबला 15 रन से अपने नाम किया। भारत ने इसके साथ ही पांच मैचों की टी20 सीरीज 5-0 से अपने नाम की और श्रीलंका को क्लीन स्वीप कर दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। यह पहली बार है जब भारतीय महिला टीम ने घर में 5-0 से जीत दर्ज की है। वहीं, भारत ने टी20 में तीसरी बार सीरीज 5-0 के अंतर से जीती है। भारतीय टीम इससे पहले वेस्टइंडीज को 2019 में और बांग्लादेश को 2024 में इस अंतर से क्लीन स्वीप कर चुकी है।

शेफाली वर्मा ने भी हासिल की खास उपलब्धि

द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाली बनीं भारतीय खिलाड़ी

तिरुवनंतपुरम। भारतीय महिला टीम की विस्फोटक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान एक खास उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। शेफाली किसी द्विपक्षीय टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने इस मामले में स्मृति मंधाना को पीछे छोड़ दिया है। शेफाली का बल्ला श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में जमकर चला।

शेफाली का बल्ला श्रीलंका के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में नहीं चला और वह सस्ते में आउट हुईं। अपना पहला ओवर डालने आईं निमाशा ने शेफाली वर्मा को अपना शिकार बनाया। भारत के लिए शेफाली वर्मा के साथ डेब्यू कर रहीं जी कमालिनी ने पारी का आगाज किया। शेफाली हालांकि छह गेंदों पर एक चौके की मदद से पांच रन बनाकर आउट हुईं।

शेफाली भले ही पांचवें टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल सकीं, लेकिन वह एक टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बन गईं। शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज में 241 रन बनाए और उन्होंने मंधाना के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। मंधाना ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 221 रन बनाए थे, लेकिन अब शेफाली ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से पहले शेफाली ने नौ पारियों में 106.4 के स्ट्राइक रेट से 182 रन बनाए थे। लेकिन इस सीरीज में उन्होंने पांच पारियों में 80.3 के औसत और 181.2 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए। उन्होंने तीन मैचों में अर्धशतक भी लगाए। भारत ने पावरप्ले समाप्त होने तक दो विकेट पर 40 रन बनाए थे। भारत का श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज में यह पावरप्ले में न्यूनतम स्कोर है। भारत ने इससे पहले शुरुआती चार मैचों में पावरप्ले में 55/1, 68/1, 55/1 और 61/0 रन बनाए थे।

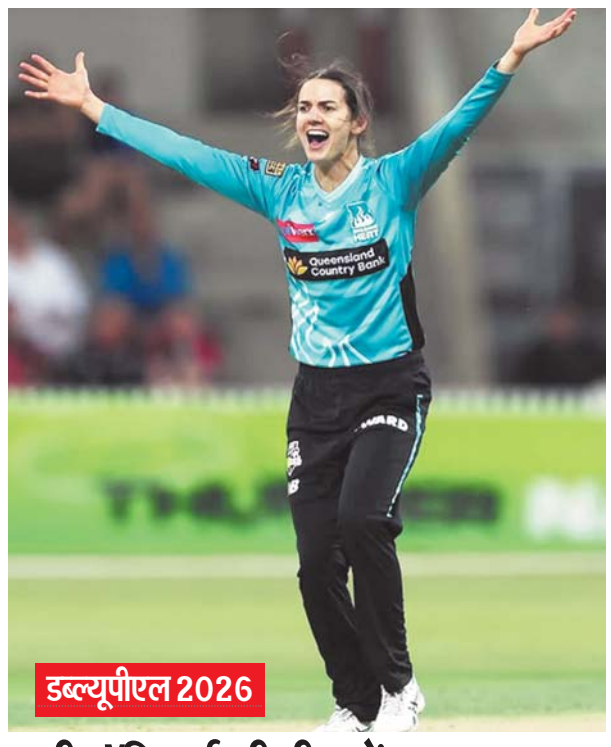

यूपी वॉरियर्स की टीम में बदलाव, तारा नॉरिस की जगह चार्ली नॉट शामिल

मुंबई। यूपी वॉरियर्स ने बाएं हाथ की मीडियम पेसर तारा नॉरिस के स्थान पर ऑस्ट्रेलिया की चार्ली नॉट को अपने साथ जोड़ा है। तारा नॉरिस को आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए यूएसए की टीम में चुना गया है, जो 18 जनवरी से 3 फरवरी के बीच नेपाल में खेले जाने हैं। ऐसे में नॉरिस आगामी विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी।

यूपी वॉरियर्स के सीओओ क्षेमल वैनगंकर ने कहा, ÷हम तारा को उनके इंटरनेशनल असाइनमेंट के लिए शुभकामनाएं देते हैं। हम यूपी वॉरियर्स में चार्ली नॉट का स्वागत करते हुए उत्साहित हैं। वह एक होनेहार ऑलराउंडर हैं, जिनके पास प्रत्येक विभाग में योगदान देने और प्रभाव डालने के लिए कौशल है।

अनकैप्ड ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चार्ली नॉट अपना पहला डब्ल्यूपीएल खेलने जा रही हैं, जिन्हें यूपी वॉरियर्स ने चौथे सीजन के लिए 10 लाख के रिजर्व प्राइस पर साइन किया है। चार्ली नॉट ने भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त नहीं किया है, लेकिन उन्होंने विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के छह सीजन और द हंड्रेड के दो सीजन में खेले हैं। चार्ली ने डब्ल्यूबीबीएल करियर में कुल 68 मैच खेले हैं।

दिल्ली में 13 से इंडिया ओपन का आयोजन प्राइज मनी है 950,000 अमेरिकी डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया ओपन 2026 का आयोजन 13-18 जनवरी के बीच नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होगा। इस टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी 950,000 अमेरिकी डॉलर है। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के तहत बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित, यह सुपर 750 टूर्नामेंट एक बार फिर भारत में दुनिया के टॉप शटलर्स की मेजबानी करेगा। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर शेड्यूल पर एक प्रमुख इवेंट के तौर पर, इंडिया ओपन 11,000 रैंकिंग प्वाइंट्स तक देता है।

फैंस 6 दिनों के इस टूर्नामेंट में एन से-यंग, पीवी सिंधु, कुनलावुत विटिडसर्न, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी और लक्ष्य सेन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ-साथ भारत की उभरती प्रतिभाओं जैसे उन्नति हुड्डा और आयुष शेट्टी को खेलते हुए देखेंगे। मैच के दौरान 8 हजार से ज्यादा दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी, जो पिछली बार से दोगुनी है। यह आयोजन भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन इवेंट के बढ़ते महत्व को दिखाता है। 2026 एडिशन का लक्ष्य खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए एक विशाल, ज्यादा रोमांचक और अधिक आकर्षक अनुभव देना है।

इंडिया ओपन 2026 के टिकट सिर्फ ऑनलाइन बेचे जाएंगे। इनकी कीमतें 400 रुपये से शुरू होती हैं, जिसमें प्रीमियम सीटों की कीमत 1,750 रुपये तक है। इससे अलग-अलग कैटेगरी में ऑप्शन मिलेंगे। टिकट बिक्री का पहला चरण दिसंबर के अंत तक चलेगा।

पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का चौंकाने वाला दावा

रोहित-कोहली को संन्यास के लिए किया गया मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा और विराट कोहली इस समय केवल वनडे फॉर्मेट में ही सक्रिय हैं। दोनों दिग्गजों ने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर सवाल खड़े किए हैं। मई महीने में जब इस दिग्गज जोड़ी ने अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया, तो इस फैसले ने पूरी क्रिकेट दुनिया को चौंका दिया। फिलहाल 'रो-को' केवल वनडे फॉर्मेट में ही भारत के लिए खेल रहे हैं।

अपने यूट्यूब चैनल पर जारी एक वीडियो में रॉबिन उथप्पा ने दावा किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना बिल्कुल भी स्वाभाविक नहीं लगता। उन्होंने कहा कि इस अचानक फैसले की असली वजह पर बात करना खुद इन दोनों खिलाड़ियों पर निर्भर करता है, लेकिन उन्हें यह फैसला किसी मजबूरी जैसा महसूस होता है। उथप्पा ने कहा, मुझे नहीं पता कि यह जबरन किया गया आत्मसमर्पण था या नहीं, लेकिन यह बिल्कुल भी स्वाभाविक विदाई नहीं लगती। सच्चाई क्या है, यह वे दोनों ही अपने समय पर बताएंगे। लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह फैसला स्वाभाविक था।

चौंकाने वाला था दोनों का अचानक संन्यास लेना

रोहित शर्मा और विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेना काफी चौंकाने वाला रहा। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद, दोनों ने लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी की थी, ताकि अपने टेस्ट करियर को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि, इसके बावजूद मई महीने में दोनों ने रहस्यमय तरीके से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। इसी दौरान इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया। उथप्पा ने आगे कहा, जब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित रन नहीं बना पा रहे थे, तब मुझे लगा था कि उन्हें छह महीने का ब्रेक लेकर अपनी फिटनेस पर काम करना चाहिए। मुझे पूरा भरोसा था कि रोहित जल्द ही टेस्ट में धमाकेदार वापसी करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सोहा ने झटपट बनाया हेल्दी ग्रीन जूस, फैंस को बताई रेसिपी

अभिनेत्री सोहा अली खान अपने सेहत का खास ख्याल रखती हैं। इस कड़ी में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ग्रीन जूस बनाती हुई नजर आईं। सोहा ने इसे %न्यू ईयर का तोहफा% बताया। यह जूस हाइड्रेशन, फाइबर और मिनरल्स से भरपूर है, जो पाचन, हार्मोन बैलेंस और एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है।

सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए हेल्दी जूस की रेसिपी भी बताई। उन्होंने बताया कि यह रेसिपी न सिर्फ हेल्दी है बल्कि घर पर आसानी से बनाई जा सकती है। इसके लिए गाजर, खीरा, अजवाइन, चिया सीड्स, ड्रैगन फ्रूट, अदरक, धनिया, मूंग अंकुर और ग्रीन्स लें और सभी को ब्लेंड करके पी लें। सोहा ने सलाह दी कि धीरे-धीरे शुरू करें और शरीर की सुनें।

अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मेरी तरफ से आपको हैप्पी न्यू ईयर का तोहफा। जैसा कि वादा किया था, यह रहा ग्रीन जूस जो मैं ज्यादातर सुबह पीती हूं। यह कोई हार्ड डिटॉक्स जूस नहीं है। यह आपको हेल्दी बनाएगा, इसे रोजाना पीएं। यह हाइड्रेशन, फाइबर, मिनरल्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है, जो शरीर को वह काम करने में मदद करते हैं जो उसे पहले से ही पता है। यह जूस पाचन सुधारने, हार्मोन बैलेंस रखने और पूरे दिन एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। खासकर जब भारीपन या सुस्ती महसूस हो, तब यह और भी कारगर है।

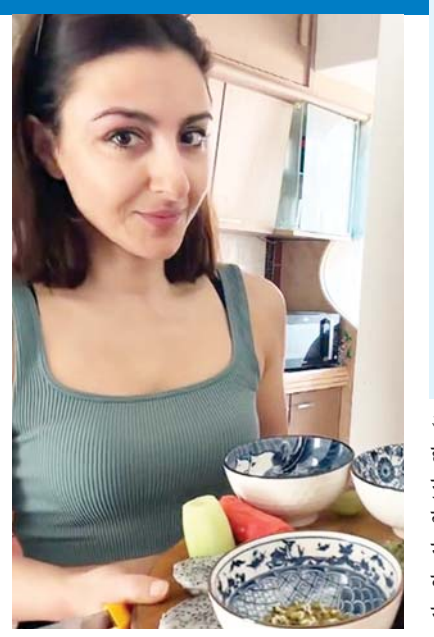

आसान है बनाने का तरीका

अभिनेत्री सोहा ने बताया कि इसे आमतौर पर वह नाश्ते के बाद और लंच से पहले पीती हैं। यही नहीं, सोहा अली ने फैंस को हेल्दी ग्रीन जूस की रेसिपी भी बताई, जो बेहद साधारण और पौष्टिक है। इसके लिए गाजर, खीरा, दो डंठल अजवाइन, आधा कप नारियल पानी, आधा चम्मच चिया सीड्स (रात भर भिगोए हुए), एक छोटा टुकड़ा ड्रैगन फ्रूट (क्यूब्स में कटा हुआ), ताजा कसा हुआ अदरक, मुट्ठी भर धनिया पत्ती, एक मुट्ठी मूंग दाल के अंकुर (हल्के से स्टीम किए हुए) और एक मुट्ठी बेबी ग्रीन्स लें। उन्होंने बताया कि इसे बनाने का तरीका भी बहुत आसान है। सभी सामग्री को ब्लेंडर में डालकर चिकना होने तक ब्लेंड करें। अगर पतला जूस पसंद हो तो थोड़ा और नारियल पानी मिला लें।

मेट्रो बाजार

भारत का घरेलू एयर ट्रैफिक नवंबर में 7% बढ़ा, इंडिगो का शेयर गिरा

नई दिल्ली। भारत का घरेलू एयर ट्रैफिक नवंबर 2025 में सालाना आधार पर 7 प्रतिशत बढ़कर 15.2 मिलियन तक पहुंच गया है। इसमें बढ़ोतरी की वजह फेस्टिव सीजन की मांग होना है। यह जानकारी मंगलवार को एक रिपोर्ट में दी गई। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया कि इंडिगो की उड़ानों में आई परेशानी के बाद दिसंबर 2025 के मध्य में ऑपरेशन सामान्य हो गए थे। हालांकि, मौसमी कारणों ने ऑन-टाइम परफॉरमेंश और कैंसिलेशन पर दबाव बनाया है।

हालांकि, दिसंबर 2025 तक के डेली ट्रेंड से पता चलता है कि साल-दर-साल आधार पर वृद्धि दर सपाट रही है, इसकी मुख्य वजह महीने के पहले 15 दिन में इंडिगो के ऑपरेशन में लगातार परेशानियां बने रहना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडिगो को मौसम, सॉफ्टवेयर की समस्याओं और फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जिससे नवंबर-25 में उसका मार्केट शेयर महीने-दर-महीने आधार पर 200 आधार अंक गिरकर 63.6 प्रतिशत हो गया। इस दौरान स्पाइसजेट का मार्केट शेयर 110 आधार अंक बढ़कर 3.7 प्रतिशत हो गया है। इसकी वजह अतिरिक्त स्लॉट, फ्लीट का विस्तार होना और विंटर शेड्यूल में अधिक सीट किलोमीटर उपलब्ध होना है। एयर इंडिया का भी मार्केट शेयर 100 आधार अंक बढ़कर 26.7 प्रतिशत हो गया है। नवंबर-25 में प्रमुख एयरलाइंस में पैसेंजर लोड फैक्टर में सुधार देखा गया, जिसमें एयर इंडिया ग्रुप 10.2 प्रतिशत की सबसे अधिक मासिक बढ़ोतरी के साथ सबसे आगे रहा।

वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत की अर्थव्यवस्था सबसे मजबूत

नई दिल्ली। पिछले पांच वर्षों में आए कई वैश्विक झटकों ने दुनियाभर में अस्थिरता और अनिश्चितता का माहौल पैदा किया है। साल 2025 अब तक भू-राजनीतिक बिखराव, व्यापारिक अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव और तकनीकी वर्चस्व की जंग के नाम रहा है। दुनिया के इस अशांत माहौल के बीच, भारत की सूक्ष्म अर्थव्यवस्था सबसे अलग दिखती है। हालिया तिमाही में भारत की विकास दर 8.2 फीसदी रही है, जिसने बड़े-बड़े जानकारों के अनुमानों को भी पीछे छोड़ दिया है। राहत की बात है कि महंगाई और राजकोषीय घाटा नियंत्रण में है। तमाम बाहरी चुनौतियों के बावजूद, भारत की नीतियों का मुख्य उद्देश्य घरेलू अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं लचीला बनाना रहा है। किसी भी मजबूत अर्थव्यवस्था की असली बुनियाद घरेलू मांग होती है। करोड़ों भारतीय परिवारों के हाथों में ज्यादा पैसा आया। साथ ही, पुराने जटिल कानूनों की जगह नया आयकर अधिनियम-2025 लागू किया गया। इसके बाद सितंबर में जीएसटी को और आसान बनाते हुए इसे दो स्लैब में रखा गया। इन सुधारों का असर यह रहा कि त्योहारी सीजन में 6 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री हुई। खास बात है कि टैक्स में राहत देने से सरकारी खजाने को नुकसान नहीं हुआ है, बल्कि बाजार में बढ़ी मांग एवं खपत के कारण आने वाले समय में टैक्स संग्रह के और बढ़ने की उम्मीद है।

करण जौहर ने ट्रोलिंग करने वालों पर उठाए सवाल, सोशल मीडिया बना नकारात्मकता का अड्डा

मुंबई। सोशल मीडिया के दौर में जहां हर कोई अपनी बात सबसे ऊपर रखना चाहता है, वहीं अच्छा व्यवहार, धैर्य और शालीनता धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है। आज बातचीत कम और बहस ज्यादा हो गई है। लोग सामने वाले की भावना समझने से पहले उस पर राय बना लेते हैं। इसको लेकर बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर करण जौहर ने अपने विचार साझा किए। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, आज के समय में लोग अच्छे व्यवहार को लगभग भूलते जा रहे हैं। क्या अब किसी के मैसेज या ईमेल का ठीक से जवाब देना भी मुश्किल हो गया है? अगर जवाब आता भी है, तो वह सिर्फ एक शब्द या बिना भाव के होता है। सम्मान और अपनापन छोटी-छोटी बातों से झलकता है, जैसे ढंग से बात करना या सामने वाले को महसूस कराना कि उसकी बात मायने रखती है। करण जौहर ने इस बात पर चिंता जताई कि लोग अब दूसरों की सफलता पर खुश होने के बजाय उनसे जलने लगे हैं। उन्होंने कहा, आज समाज में यह देखने को मिलता है कि किसी के आगे बढ़ने पर तारीफ कम और आलोचना ज्यादा होती है। वहीं, जब कोई असफल होता है तो लोग उसे सहारा देने के बजाय उसका मजाक उड़ाते हैं। यह सोच न सिर्फ गलत है, बल्कि समाज को अंदर से कमजोर बनाती है। मेरा मानना है कि आलोचना जरूरी है, लेकिन वह बिना गुस्से और नफरत के होनी चाहिए।

नए साल का स्वागत...धार्मिक स्थलों में भक्तों का सैलाब

नए साल से पहले लोग बड़ी संख्या में अमृतसर गोल्डन टेंपल पहुंच रहे।

नई दिल्ली। नए साल से पहले देशभर के धार्मिक स्थलों पर भक्तों का सैलाब सा उमड़ पड़ा है। वहीं पर्यटन स्थलों पर भारी संख्या में टूरिस्ट पहुंच रहे हैं।अयोध्या-काशी में 2 किमी लंबी लाइन लगी है तो खाटूश्याम के दर्शन में 2 घंटे लग रहे हैं। ओंकारेश्वर में वीआईपी दर्शन बंद कर दिए गए हैं,महाकाल के दरबार में कतार लगी हुई है। वहीं ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर से लेकर निधिवन राज मंदिर तक भीड़ का दबाव है। सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ इस कदर उमड़ी कि मंदिर के बाहर और अंदर पैर रखने की भी जगह नहीं बची।

न्यूज विंडो

दिल्ली-NCR में घना कोहरा बना आफत, 148 फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के शहरों में साल के आखिरी दिन भी घने कोहरे के साथ लोगों की सुबह हुई। घना कोहरा होने की वजह से सड़कों और कई इलाकों में विजिबिलिटी जीरो रही, जिसके कारण सभी तरह का यातायात प्रभावित हुआ है। घने कोहरे के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (IGI Airport) पर आज कुल 148 उड़ानें रद कर दी गईं, जबकि 150 से अधिक उड़ानें विलंबित हुई हैं। फ्लाइट्स के कैंसिल होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी में कड़ाके की ठंड के साथ-साथ लोगों को प्रदूषण की भी मार झेलनी पड़ रही है। आज भी दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब रही। आज सुबह दिल्ली का औसत एक्यूआई 384 रिकॉर्ड किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। बता दें कि एनसीआर में घना कोहरा होने की वजह से जहां रेल संचालन पर असर पड़ा तो वहीं उड़ानें भी प्रभावित हुई हैं। इतना ही नहीं कोहरा अधिक होने की वजह से हाईवे पर वाहन भी रेंगते नजर आए।उधर, घना कोहरा होने की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। आज 148 फ्लाइट्स कैंसिल हो गईं।

कफ सिरप मामला: शुभम पर 75 हजार का इनाम, दो गिरफ्तार

वाराणसी। कोडिन युक्त कफ सिरप के सिंडिकेट शैली ट्रेडर्स के कर्ताधर्ता शुभम जायसवाल पर 75 हजार का इनाम हो गया है। 50 हजार कमिश्नरेट पुलिस और सोनभद्र पुलिस ने भी 25 हजार का इनाम घोषित कर दिया है। गाजियाबाद पुलिस भी इनाम बढ़ाने की तैयारी में है।

गाजियाबाद के नंदग्राम थाने में शुभम जायसवाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है। उधर, कोतवाली पुलिस ने कफ सिरप की अवैध तस्करी में शिल्पी फार्मा के प्रोपराइटर पांडेयपुर के बैंक कालोनी निवासी प्रतीक कुमार और लोकेश फार्मा के प्रोपराइटर भेलूपुर के ताराधाम कॉलोनी निवासी धर्मेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया। दोनों ने अपनी फर्मों से 5.27 करोड़ की कफ सिरप की शीशी बेची है। आरोपियों को कोर्ट ने जेल भेजा है। कोतवाली इंस्पेक्टर दयाशंकर मिश्रा के अनुसार, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि शैली ट्रेडर्स के कंपीटेंट पर्सन शुभम जायसवाल के कहने पर झारखंड रांची से कफ सिरप की खरीद कागजों में दिखाई गई। शैली ट्रेडर्स से फेंसेडिल कफ सिरप वाराणसी नहीं आकर बांग्लादेश भेजी जाती थी। दस गुना मुनाफा पर शुभम बेचता था। अपने कागजों पर जिन फर्मों की बिक्री दिखाई है, उन फर्मों को हमने कभी नहीं देखा है। ज्यादा पैसा कमाने की लालच में अपराध किए।

मकान खाली कराने गई पुलिस के सामने खुद को लगाई आग

हिसार। अदालत के आदेश पर पुलिस बल के साथ मकान खाली करवाने पहुंची टीम को 12 क्वार्टर एरिया स्थित राम विहार कॉलोनी में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। मकान से सामान बाहर निकाले जाने के दौरान वहां रह रहे राजेश (50) ने पेट्रोल छिड़क खुद को आग लगा ली। पुलिसकर्मियों ने तुरंत आग बुझाई, पर राजेश के मुंह व हाथ झुलस गए। इस दौरान पीएसआइ संदीप का हाथ झुलस गया। आग बुझाने के बाद जब पुलिस कर्मचारी राजेश को ऑटो में बैठाकर नागरिक अस्पताल ले जा रहे थे, तभी क्षेत्रवासियों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। इससे ईएसआइ बृजलाल व महिला पुलिसकर्मी को चोट आई और पुलिस बस के शीशे टूट गए। एएसपी मुदगिल ने स्थिति का जायजा लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। गंभीर हालत में राजेश को अग्रोहा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है। वहीं पीड़ित की पत्नी का कहना है 15 साल पहले कृष्ण से 2.40 लाख रुपये में मकान लिया था। अदालत कर्मियों ने बताया कोर्ट ने कृष्ण के पक्ष में फैसला दिया।

भारत ने खारिज किया चीन का दावा, पाक के साथ सीजफायर विवाद में कहा-

'कोई भी तीसरा दखल नहीं दे सकता'

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने चीन की ओर से भारत-पाक सीजफायर में मध्यस्थता के दावे का सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय सरकार के सूत्रों का कहना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मई के ऑपरेशन सिंदूर संघर्ष के दौरान युद्धविराम तक पहुंचने में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं हुई थी। सूत्रों के हवाले से बताया, 'मध्यस्थता पर भारत का रुख हमेशा साफ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोई मध्यस्थता नहीं हुई। भारत ने हमेशा यह कहा है कि कोई तीसरा पक्ष दखल नहीं दे सकता। पाकिस्तान ने भारत के DGMO से सीजफायर के लिए अनुरोध किया था।'

चीन ने क्या दावा किया था?: चीन ने बीते दिन भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव दूर करने में मध्यस्थता का दावा किया था। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव इस वर्ष चीन द्वारा मध्यस्थता किए गए प्रमुख मुद्दों की सूची में शामिल है। भारत और पाकिस्तान के बीच सात से दस मई के बीच संघर्ष हुआ था। दस मई को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम हुआ था। तब से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम कराने का कई बार दावा कर चुके हैं।

ट्रंप के बाद चीन को चढ़ा क्रेडिट का खुमार

भारत का स्पष्ट रूप से कहना है कि भारत-पाकिस्तान से संबंधित मामलों में मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है। चीनी विदेश मंत्री ने बीजिंग में अंतरराष्ट्रीय स्थिति और चीन के विदेश संबंधों पर आयोजित एक कार्यक्रम को करते हुए इस मध्यस्थता का दावा किया था। वांग ने कहा, 'द्वितीय विश्व युद्ध खत्म होने के बाद इस वर्ष स्थानीय युद्ध और सीमा पार संघर्ष अधिक बार भड़के। स्थायी शांति बनाने के लिए हमने एक वस्तुनिष्ठ और न्यायपूर्ण रुख अपनाया है। हमने उत्तरी म्यांमार, ईरानी परमाणु मुद्दा, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव, फलस्तीन और इजरायल के बीच मुद्दे और हालिया कंबोडिया व थाईलैंड के बीच संघर्ष में मध्यस्थता की।'

रिपोर्ट: भारत-पाक के बीच 2026 में हो सकती है जंग

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। अमेरिका के एक प्रमुख थिंक टैंक काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस यानी कि CFR ने अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच 'जंग' हो सकती है। थिंक टैंक का कहना है कि दोनों देशों के बीच इस सशस्त्र संघर्ष का मुख्य कारण 'बढ़ती हुई आतंकवादी गतिविधियां' हो सकती हैं। हड़कंप मचाने वाली इस रिपोर्ट में अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञों के सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच चल रहे विवाद को खत्म करने की कोशिश की है। रिपोर्ट में लिखा है, 'ट्रंप सरकार ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, गाजा पट्टी, यूक्रेन, भारत-पाकिस्तान और कंबोडिया-थाईलैंड के बीच जारी लड़ाई समेत कई विवादों को खत्म करने की कोशिश की है।' बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस साल मई में एक छोटी सी जंग छिड़ गई थी जो 3 दिनों तक चली थी।

चीन से होने वाले आयात पर पड़ेगा असर

भारत ने स्टील उत्पादों पर लगाया 12 फीसदी का टैरिफ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने कुछ इस्पात (स्टील) उत्पादों पर तीन साल के लिए आयात शुल्क लगाने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय द्वारा एक आदेश में कहा गया है कि भारत ने कुछ स्टील उत्पादों पर तीन साल के लिए 11-12 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम को चीन से आने वाले सस्ते स्टील को रोकने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। सरकारी गजट में प्रकाशित आदेश के अनुसार, पहले वर्ष में स्टील आयात पर 12 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। वहीं दूसरे साल इसे घटाकर 11.5 प्रतिशत कर दिया जाएगा और तीसरे साल इसे और कम करके 11 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

आयात होगा प्रभावित

भारत में इन दिनों चीन के सस्ते स्टील का आयात बढ़ा है। इसे चीन द्वारा डंपिंग करने के तौर पर देखा जा रहा है। इससे भारत के स्टील निर्माताओं पर दबाव बढ़ा है। आदेश में कहा गया है कि 'भारत में हाल ही में स्टील में हुई अचानक, तीव्र और उल्लेखनीय वृद्धि ने घरेलू उद्योग के उत्पादकों को गंभीर नुकसान पहुंचाया है और भविष्य में भी नुकसान पहुंचाने की आशंका है'। इसमें आगे कहा गया है कि इसी कारण से भारत में संबंधित वस्तुओं के आयात पर अस्थायी सुरक्षा शुल्क लगाना आवश्यक हो गया है।

टूरिस्ट प्लेस पर जा रही ट्रेनों में हुई आमने-सामने की टक्कर, 1 की मौत, 30 घायल

लीमा, एजेंसी। पेरू के प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल माचू पिचू जाने वाली 2 टूरिस्ट ट्रेनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम एक शख्स की मौत हो गई और 30 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। कुज्को पुलिस विभाग के कैप्टन जोनाथन कास्तिलो गोंजालेज ने बताया कि मरने वाला व्यक्ति रेलवे का कर्मचारी था। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद माचू पिचू और पास के शहर कुज्को को जोड़ने वाली रेल लाइन पर सेवाएं रोक दी गईं। घटना की तस्वीरें भी सामने आई हैं जिनमें ट्रेनों को हरे-भरे जंगल में दुर्घटनाग्रस्त दिखाई दे रही हैं।

चट्टान के बीच फंसी रही ट्रेन

रेलवे चलाने वाली कंपनी के मुताबिक, दोपहर के करीब माचू पिचू से आ रही एक ट्रेन और वहां जा रही दूसरी ट्रेन कोरिवायराचिना के पास टकरा गईं। बता दें कि कोरिवायराचिना भी एक पुरातात्विक स्थल है। हादसे का कारण अभी पता नहीं चल सका है। स्थानीय मीडिया में आए वीडियो में दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन के डिब्बे दिखाई दे रहे हैं, जिनकी खिड़कियां टूट गई हैं और साइड में डेंट पड़ गए हैं। ट्रेनें हरी-भरी जंगल और बड़ी चट्टान के बीच फंसी हुई दिख रही हैं। बता दें कि माचू पिचू एक लोकप्रिय पर्यटक स्थल है जहां हर साल करीब 15 लाख पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। माचू पिचू आने वाले ज्यादातर पर्यटक ट्रेन से पास के शहर आगुआस कालिएंतेस पहुंचते हैं।

ड्रोन और मिसाइल कारोबार पर अमेरिका की सख्ती ईरान-वेनेजुएला की कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान के ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े कथित नेटवर्क पर बड़ा कदम उठाते हुए ईरान और वेनेजुएला के 10 लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह गतिविधियां अमेरिका और उसके मध्य पूर्वी सहयोगियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं।

अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक, ये प्रतिबंध संयुक्त राष्ट्र द्वारा ईरान पर दोबारा लगाए गए प्रतिबंधों को मजबूती देने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। इनका मकसद ईरान के परमाणु और सैन्य कार्यक्रमों पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। हालांकि ईरान लगातार यह दावा करता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है।

नए प्रतिबंधों की सूची में वेनेजुएला की एक कंपनी और उसके चेयरमैन का नाम शामिल है, जिन पर ईरान से ड्रोन खरीदने का आरोप है। इसके अलावा तीन ईरानी नागरिकों पर बैलिस्टिक मिसाइलों में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की खरीद से जुड़े होने का आरोप लगाया गया है। साथ ही ईरान स्थित कुछ व्यक्ति और कंपनियां भी निशाने पर हैं, जिनका संबंध रयान फैन ग्रुप से बताया गया है। इस होल्डिंग कंपनी पर पहले ही अमेरिका प्रतिबंध लगा चुका है।

गौरतलब है कि फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव अभियान दोबारा शुरू किया था। इसका उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना बताया गया। इसी कड़ी में इस साल गर्मियों में अमेरिका ने इजरायल-ईरान के बीच खुले संघर्ष के बाद ईरान की तीन अहम यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं पर हमले भी किए थे।

इस्राइली पीएम से बातचीत के दौरान दी थी चेतावनी

इस हफ्ते ट्रंप ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फ्लोरिडा में बातचीत के दौरान ईरान को चेतावनी दी कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने की कोशिश की, तो अमेरिका आगे भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के आतंकवाद और वित्तीय खुफिया मामलों के अंडरसेक्रेटरी जॉन के. हर्ली ने कहा ईरान और वेनेजुएला दुनिया भर में घातक हथियारों के प्रसार के लिए जिम्मेदार हैं।

मेट्रो एंकर

अब उपाध्यक्ष ग्रेग एबल कल से संभालेंगे बर्कशायर की कमान

एक युग का अंत: वॉरेन बफेट आज हुए रिटायर

वाशिंगटन, एजेंसी

वॉरेन बफेट आज बर्कशायर हैथवे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) का पद छोड़ देंगे। इसेक साथ ही अमेरिकी पूंजीवाद को खड़ा करने वाले एक ऐतिहासिक युग का अंत हो जाएगा। बफेट ने कुछ महीने पहले बर्कशायर हैथवे की वार्षिक बैठक में इस फैसले की घोषणा की थी। अब बर्कशायर के उपाध्यक्ष ग्रेग एबल 1 जनवरी से कमान संभालेंगे। अगले साल ओमाहा में होने वाली बैठक की अध्यक्षता वही करेंगे।

दुनिया के सबसे सम्मानित और सफल निवेशकों में से एक, 95 वर्षीय वॉरेन बफेट आज (31 दिसंबर, 2025) को रिटायर हो रहे हैं। प्लान के मुताबिक, वह बर्कशायर हैथवे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के पद से हट रहे हैं। वो बर्कशायर हैथवे ग्रुप में छह दशकों तक टॉप पर रहने के बाद रिटायर हो रहे हैं। ओमाहा में कंपनी की सालाना शेयरहोल्डर मीटिंग में पहले की गई घोषणा के अनुसार, नॉन-इंश्योरेंस ऑपरेशंस के वाइस चेयरमैन ग्रेग एबेल ग्रुप की कमान संभालेंगे। बर्कशायर हैथवे ग्रुप की मार्केट वैल्यूएशन 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा है।

वॉरेन बफेट की रिटायरमेंट ग्लोबल फाइनेंस में एक असाधारण युग के अंत का प्रतीक है। 'ओमाहा के ओरेकल' के नाम से मशहूर बफेट ने बर्कशायर हैथवे को एक टेक्सटाइल कंपनी से एक ऐसे ग्रुप में बदल दिया, जिसका कारोबार इंश्योरेंस और रेलवे से लेकर एनर्जी, कंज्यूमर गुड्स और टेक्नोलॉजी तक फैला हुआ है।

ऐसे बने वॉरेन बफेट दुनिया के सबसे बड़े निवेशक

बफेट ने हमेशा यह कहा है कि उनकी सफलता में किस्मत का भी बड़ा हाथ रहा है। जब बात उनके जन्म और प्रारंभिक जीवन की हो तो बफेट 1929 के संकट के दौरान नंवबर में पैदा हुआ था। मेरे पिता एक स्टॉक सेल्समैन थे। उन्होंने 11 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला शेयर खरीदा। बफेट ने कहा था कि मैंने 1942 में 38 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से 3 शेयर खरीदे थे, लेकिन जल्द ही शेयर का भाव 27 डॉलर तक आ गया। बफेट की विरासत को उन्हें एक निवेशक के रूप में ही नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और संयम के प्रतीक के रूप में भी स्थापित करता है। 1952 से बफेट ओमाहा के डंडी इलाके में अपने एक ही घर में रहते आए हैं। ये घर उनकी उस विचारधारा का प्रतीक है, जिसमें चमक-धमक, तेजी और बार-बार बदलाव की बजाय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया है। बफेट का मानना रहा है कि सफलता की कुंजी अच्छे और मूल्यवान व्यवसायों को ढूंढने और फिर उन्हें स्वतंत्र रूप से चलने देने में है। उन्होंने कई बार यह सलाह दी है कि अच्छे व्यवसायों में निवेश करें और फिर उनका मार्गदर्शन किए बिना उन्हें बढ़ने दें। बफेट अक्सर कहते हैं कि मुझे जो भी करना अच्छा लगता है, मैं वही करता हूं, और जब तक आप खुश नहीं हैं, तब तक आप कुछ भी नहीं कर सकते।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564